''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 269 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शनिवार, 14 दिसंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले के लिए हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन और दिल्ली मेट्रो का ऐतिहासिक समझौता

दिल्ली मेट्रो के सहयोग से सूरजकुंड मेले की पहुँच होगी अधिक, देशी और विदेशी आगंतुक लेंगे आनंद

डीएमआरसी नई तकनीक के माध्यम से बेचेगी टिकट्स

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन ने आज दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के साथ दिल्ली में एक ऐतिहासिक समझौते ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी आगामी 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट्स मेले की लोकप्रियता और पहुंच को बढ़ाने के लिए की गई है। सूरजकुंड मेगा सांस्कृतिक उत्सव 7 से 23 फरवरी 2025 तक सूरजकुंड, फरीदाबाद में आयोजित होगा और मेले में लाखों देशी और विदेशी दर्शकों के आने की उम्मीद है।

ज्ञापन समझौते के तहत, दिल्ली मेट्रो को सूरजकुंड मेले के टिकट मोमेंटम 2.0 दिल्ली सारथी मोबाइल ऐप, मेट्रो स्टेशन्स एवं मेले स्थल पर बने टिकट काउंटरों के माध्यम से बेचने की अनुमति दी गई है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन मेले के गेट पर विशेष टिकट काउंटर भी संचालित करेगा। इससे आगंतुकों के लिए टिकट खरीदने की प्रक्रिया सहज और सुविधाजनक हो जाएगी।

दिल्ली मेट्रो मेले की ओर से दृश्यता बढ़ाने के लिए घोषणाएं की जाएँगी, पैसेंजर इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम पर स्क्रॉलिंग संदेश फ़्लैश होगा और मेट्रो स्टेशन्स पर एलईडी स्क्रीन पर प्रचार वीडियो प्रसारित की जाएंगी। इस साझेदारी के तहत मेले के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा कम से कम 10 दिन पहले आरम्भ दी जाएगी। आगंतुक डीएमआरसी ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित ई - टिकट और सामान्य तरीके से भी टिकट बुक कर सकते हैं। भुगतान के लिए यूपीआई, नकद, डेबिट और क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध होगी।

दिल्ली मेट्रो मेले स्थल पर पार्किंग प्रबंधन की जिम्मेदारी भी निभाएगा। यह पार्किंग सुविधा मेले के दौरान 24 घंटे चलती रहेगी। हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन मेले की टिकट बिक्री को बढ़ावा देने के लिए अपने आधिकारिक वेबसाइट पर दिल्ली मेट्रो ऐप का लिंक साझा करेगा। सूरजकुंड मेला दुनिया के सबसे बड़े क्राफ्ट मेलों में से एक है, जो भारत और विदेशों के हजारों शिल्पकारों को सांस्कृतिक विरासत और कारीगरी का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इस साल का मेला उत्कृष्ट हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित करेगा, थीम राज्यों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों पर प्रकाश डालेगा। सार्क राष्ट्रों से भी प्रतिभागी मेले की गतिविधियों में शामिल होंगे। आगंतुक लाइव प्रदर्शन और भारत की विविध परंपराओं को दर्शाने वाले सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद ले सकेंगे।

दिल्ली मेट्रो की भागीदारी से यह उत्सव दिल्ली समेत एनसीआर निवासियों के लिए अधिक पहुंच योग्य और आकर्षक बन जाएगा। दिल्ली मेट्रो से साझेदारी से सूरजकुंड मेले में आगंतुकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने और इसके वैश्विक प्रभाव में सुधार की उम्मीद है।

इस अवसर पर हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री सुनील कुमार ने कहा कि दिल्ली मेट्रो के साथ यह साझेदारी सूरजकुंड मेले के लिए एक गेम - चेंजर साबित होगी। यह मेट्रो कनेक्टिविटी और डिजिटल टिकटिंग की व्यवस्था सूरजकुंड मेले व्यापक पहुंच प्रदान करती है।

38वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट्स मेला भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक तकनीक और अद्वितीय सुविधा का संगम है। यह मेला आगंतुकों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान करेगा।

सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए पात्र महिलाएं करें 27 दिसम्बर तक आवेदन

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए अनेक योजनायें चलायी जा रही हैं। इसी कड़ी में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरुस्कार देने के लिए 27 दिसम्बर 2024 तक आवेदन मांगे हैं। यह पुरूस्कार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2025 को दिया जाएगा।

डीसी ने बताया कि पुरस्कार देने का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पहचान/मान्यता देना है, ताकि वे भारतीय महिलाओं की भावी पीढ़ी के लिए रोल मॉडल बन सकें। यह भारतीय समाज में और उनके संबंधित क्षेत्रों में महिलाओं की बहुमुखी भूमिका को स्वीकार करने और प्रोत्साहित करने के लिए समाज की मानसिकता को बदलने में भी एक लंबा सफर तय करेगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी ने बताया पुरस्कार में 5 लाख रुपए नकद, एक प्रशस्ति पत्र और एक शाल शामिल है। उन्होंने बताया कि आवेदक का जन्म हरियाणा में हुआ हो और महिलाओं के हित के लिए कम करती हो। नामांकन करने के दौरान नामांकित व्यक्ति जीवित होना चाहिए। पात्र महिलाएं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग फरीदाबाद, कमरा नंबर 205-A, लेबर कोर्ट सेक्टर 12, फरीदाबाद कार्यालय में 27 दिसम्बर 2024 तक स्वयं उपस्थित होकर विभाग द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा अनुसार आवेदन करें। आवेदन के नियम विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

घग्घर नदी का पानी न पीने योग्य और न ही सिंचाई के योग्य : कुमारी सैलजा

पंजाब और हरियाणा कागजों में ही चला रहे है घग्घर नदी में प्रदूषण रोकने का काम

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि घग्घर नदी का पानी न तो पीने योग्य है और न ही सिंचाई के योग्य क्योंकि हरियाणा राज्य में कुल घुलित ठोस पदार्थ (टीडीएस) 198-1068 मिलीग्राम प्रति लीटर (एमजी/एल) और पंजाब में 248-2010 मिलीग्राम/एल की सीमा में देखे गए। इतना ही नहीं दोनों ही राज्यों का दावा है कि उनके राज्यों में सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई है। सांसद सैलजा ने संसद में जल शक्ति मंत्री के समक्ष घग्घर नदी को लेकर कुछ सवाल उठाए थे जिसके जवाब में मंत्री ने साफ कहा कि इस नदी का पानी पीने और सिंचाई के योग्य नहीं है।

सांसद कुमारी सैलजा ने संसद में जल शक्ति मंत्री से पूछा था कि क्या पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के कुछ हिस्सों से गुजरने वाली घग्गर नदी का पानी पीने और सिंचाई के लिए उपयुक्त है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; क्या उक्त नदी के पानी का परीक्षण किया गया है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इसका टीडीएस स्तर क्या है; क्या उक्त नदी प्रदूषित/दूषित पाई गई है और इसका पानी पीने और सिंचाई के लिए अनुपयुक्त है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इस मुद्दे को हल करने की क्या योजना है? इसके जवाब में जल शक्ति मंत्री ने कहा कि नवंबर 2022 में सीपीसीबी द्वारा प्रकाशित अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, घग्गर नदी पर दो प्रदूषित खंड; पंजाब और हरियाणा राज्यों में एक-एक खंड की पहचान की गई है। वर्ष 2023 के लिए घग्गर नदी के जल गुणवत्ता निगरानी परिणामों के आधार पर, सीपीसीबी ने सूचित किया है कि हरियाणा राज्य में कुल घुलित ठोस पदार्थ (टीडीएस) 198-1068 मिलीग्राम प्रति लीटर (एमजी/एल) और पंजाब में 248-2010 मिलीग्राम/एल की सीमा में देखे गए। साथ ही, घग्गर नदी इस अवधि के दौरान वर्ग ई (सिंचाई, औद्योगिक शीतलन) के लिए नामित सर्वोत्तम उपयोग जल गुणवत्ता मानदंड का अनुपालन करती पाई गई। सतही जल, जल की गुणवत्ता के आधार पर, इसे पीने के प्रयोजनों के लिए उपयुक्त बनाने के लिए पारंपरिक उपचार और कीटाणुशोधन की आवश्यकता होती है।

मंत्री ने कहा कि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और स्थानीय निकायों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए प्राप्तकर्ता जल निकायों या भूमि में निर्वहन करने से पहले सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों का आवश्यक उपचार सुनिश्चित करें। देश में गैर-गंगा बेसिन में नदियों के संरक्षण के लिए, यह मंत्रालय राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयासों को पूरक बना रहा है। इस योजना के तहत घग्गर नदी के संरक्षण के लिए पंजाब के विभिन्न शहरों में प्रतिदिन 15 मिलियन लीटर (एमएलडी) सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि घग्गर नदी के जलग्रहण क्षेत्र में आने वाले शहरों से निकलने वाले गंदे पानी के उपचार के लिए 291.7 एमएलडी की कुल क्षमता वाले 28 एसटीपी स्थापित किए गए हैं तथा 97 एमएलडी क्षमता वाले 15 एसटीपी निर्माणाधीन हैं। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि घग्गर कार्य योजना के तहत राज्य में नदी के जलग्रहण क्षेत्र में 588 एमएलडी की सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई है। उधर 50 से 150 टीडीएस वाले पानी को सबसे अच्छा, 150 से 300 टीडीएस वाले पानी को सामान्य और 301 से 500 टीडीएस वाले पानी को खराब और इससे अधिक वाले को बहुत ही हानिकारक माना गया है। अगर पानी का टीडीएस 150 से 250 तक है तो उसे सिंचाई के लिए अच्छा माना जाता है ऐसे में साफ है कि घग्घर नदी का पानी सिंचाई के योग्य भी नहीं हैं।

अग्रोहा धाम में नहीं सुनाई देगी ट्रेन की सीटी

कुमारी सैलजा ने संसद में रेलमंत्री से पूछा था कि क्या सरकार ने फतेहाबाद से हिसार वाया अग्रोहा रेल लाइन को मंजूरी दे दी है, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है? इस सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने जवाब देते हुए बताया कि हिसार और सिरसा पहले से ही भारतीय रेलवे नेटवर्क पर भट्टू कलां के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। फतेहाबाद और अग्रोहा (93 किमी) के माध्यम से हिसार से सिरसा तक का सर्वेक्षण किया गया। खराब यातायात अनुमानों के कारण परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। यानि अभी अग्रोहा धाम में किसी को भी ट्रेन की सीटी सुनाई नही देगी। गौरतलब हो कि तत्काकालीन रेल मंत्री लालूप्रसाद यादव ने इस रेल मार्ग की घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में किसान हित में किए अनेक ऐतिहासिक कार्य, जिससे दूसरी पार्टियों को हो रही है तकलीफ : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में किसान हित में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जिससे दूसरी पार्टियों को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के अन्य दल, प्रधानमंत्री द्वारा किसान हित में लिए गए हर निर्णय पर सवाल उठाते हैं और किसानों के नाम पर राजनीति करते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है और लगातार किसानों को सशक्त करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब सरकार अपने किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदे। जब पंजाब के किसानों को किसी प्रकार की समस्या आ रही है तो पंजाब सरकार को आगे आकर ये घोषणा करनी चाहिए कि वे किसान की सारी फसलें एमएसपी पर खरीदेंगे। मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ के सेक्टर-35 स्थित किसान भवन में आयोजित क्राफ्ट मेले का उद्घाटन करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

विकासोनमुख कार्यों में तेजी लायें : ए श्रीनिवास

विद्युत लाइनों पर काम करते हुए स्वयं सावधानी रखें

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। हिसार मंडल आयुक्त एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक ए श्रीनिवास ने आज स्थानीय कार्यालय में निगम के निदेशकों संग बैठक की। डायरेक्टर्स की इस बैठक में रखी गए कार्यसूची के अनेक प्रस्ताव की अनुमति दी गई और आगामी कार्रवाई हेतु प्रेषित करने का निर्णय किया गया। प्रबंध निदेशक ए श्रीनिवास ने इस बैठक के दौरान विकासोनमुख प्रस्तावों को शीघ्र अति शीघ्र करने के निर्देश दिए। बिजली उपभोक्ता हित के किए जा रहे विकास कार्य में तेजी लाने, कार्यों का उचित रखरखाव करने और रखरखाव करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा हेतु उनकी जान माल की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं से बचाव के निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक ने कहा कि प्रत्येक अभियंता को फील्ड में एलटी, एचटी लाइनों, ट्रांसफॉर्मर आदि पर काम करते समय सुरक्षा बेल्ट और अन्य संबद्ध सुरक्षा उपकरण पहनने बारे कर्मचारियों की निगरानी करनी है। बिजली लाइन पर काम करने वालों को घातक व गैर-घातक दुर्घटनाओं से बचने के स्वयं उपाय अपनाने जरूरी हैं। विद्युत लाइनों पर कार्य करते समय इनकी पालना नहीं करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अक्सर यह देखा गया है कि जल्दबाज़ी एवं लापरवाही के कारण दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। विद्युत लाइनों पर काम करते समय एवं उनका रखरखाव करते हुए सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। सभी रखरखाव टीमों और व्यक्तियों एवं लाइन स्टाफ द्वारा सुरक्षा किट व उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए।

एमसीएफ चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने के कार्य प्रगति की समीक्षा

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में एडीसी साहिल गुप्ता ने ली बैठक

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। नगर निगम चुनाव के मद्देनजर शहरी क्षेत्र में सभी बूथों पर 17 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक ड्राफ्ट रखवाया जाएगा, जिससे इन वॉर्डों के वोटर मतदाता सूची में अपना नाम, पता, फोटो आदि देख सकेंगे। डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में एडीसी साहिल गुप्ता ने नगर निगम से जुड़े एआरओ, रिवाइसिंग अधिकारियों के साथ एमसीएफ चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने के कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

एडीसी गुप्ता ने बताया कि वे सभी नागरिक, जिनका नाम नगर निगम की मतदाता सूची में नहीं है, यदि किसी अपात्र मतदाता (मृतक/स्थान छोडकर चले गये अथवा डबल दर्ज है), किसी के नाम इत्यादि में गलती है अथवा किसी दूसरे वार्ड / मतदान केंद्र से अपना नाम बदलवाना चाहता है, तो निम्नलिखित रिवाईजिंग अथॉरिटी के पास निर्धारित फार्म में दावे-आपत्तियां 17 दिसंबर से 23 दिसंबर 2024 तक प्रस्तुत कर सकेगा जिसका निपटारा डीसी श्री विक्रम सिंह द्वारा 03 जनवरी 2025 तक किए जाने के फलस्वरूप नगर निगम फरीदाबाद की मतदाता सूचियों का वार्ड वाईज अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को कर दिया जाएगा। संशोधित मतदाता सूची के आधार पर ही निकाय चुनाव करवाए जाएंगे।

यह रहेगा शेड्यूल

वार्डों में मतदाता सूची का वितरण 10 दिसंबर से 16 दिसंबर तक किया जाएगा। वार्डवार मसौदा निर्वाचन क्षेत्र का प्रकाशन 17 दिसंबर 2024 को होगा। पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत दावे और आपत्ति की अंतिम तिथि 23 दिसंबर 2024 निर्धारित की गयी है। इसी प्रकार पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा दावे और आपत्ति का निपटारा करने की अंतिम तिथि 27 दिसंबर 2024 है। पुनरीक्षण प्राधिकारी के आदेश के विरुद्ध संबंधित उपायुक्त के समक्ष 31 दिसंबर 2024 तक अपील दायर की जा सकेगी। डीसी द्वारा अपीलों का निपटारा 03 जनवरी 2025 को किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जाएगा।

समीक्षा बैठक में नगर निगम सचिव जयदीप, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार, जॉइंट कमिश्नर गौरव अंतिल, एमसीएफ के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, नगर निगम ग्रेटर की संयुक्त आयुक्त द्विजा, एचएसवीपी संपदा अधिकारी सिद्धार्थ दहिया सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

कविता- तंबाकू

गली गली
हर गली
सड़क किनारे।
न मंदिर छोड़ा
न मस्जिद छोड़ा
न छोड़ा गुरुद्वारे।
हर बस्ती
हर गांव
हर शिक्षा द्वारे।
बस अड्डा
स्टेशन
उपवन बाग उद्यान
न छोड़ा श्मशान।
रंग बिरंगे लटक रहे
तंबाकू के सामान।

रचयिता- डॉ. अशोक कुमार वर्मा

कल आयोजित होगी इस वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत : सीजेएम नेहा गुप्ता

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने बताया कि आगामी 14 दिसंबर 2024 को इस वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिलास्तर के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर स्थित अदालतों में भी किया जाएगा। सीजेएम नेहा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 दिसंबर दिन शनिवार को आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मनी रिकवरी केस, लेबर डिस्प्यूट, बिजली व पानी बिल के संबंधी मामले, आपराधिक, वैवाहिक, दुर्घटना संबंधी, रखरखाव मामले, भूमि अधिग्रहण मामले तथा अन्य दावे संबंधी और अदालत में लंबित अधिक से अधिक केसों का निपटान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन का मुख्य ध्येय यही है कि अधिक से अधिक केसों का निपटान आपसी सहमति के आधार पर किया जा सके।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट : मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जानकारी

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते है। विटिमिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बूथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन च की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।

एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फिजिकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।

2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।

विटामिन 'के' क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन 'के' की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन 'के' ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्त्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। गर्भवती महिलाओं में विटामिन 'के' भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन 'के' आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियां, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन 'के'। विटामिन 'के' का मुख्य स्त्रोत हरी सब्जियां होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूं और फल।

महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य : यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नहीं है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृत्ति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य : यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नहीं है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

सेहत

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (ब्रैसिका निग्रा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (ब्रैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसों बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसों बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों का तेल आम सर्दी, जोड़ों और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग पिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीठ के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में है लाभकारी: सरसों के बीज ग्लूकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे यौगिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेंटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच की समस्या से पीड़ित हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसान मल त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। वे आपके नाखूनों, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इंफ्लामेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात्‌ दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात्‌ दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3380

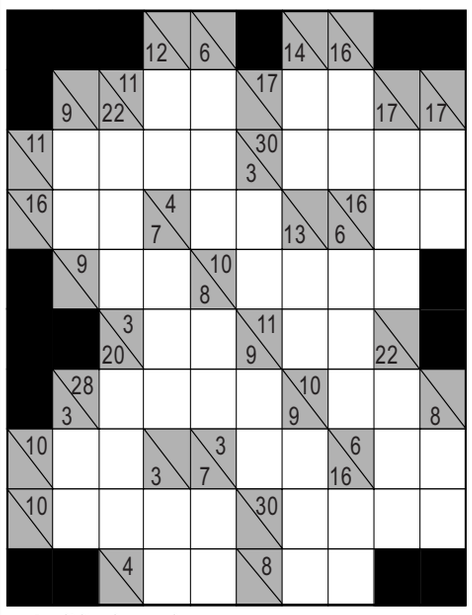

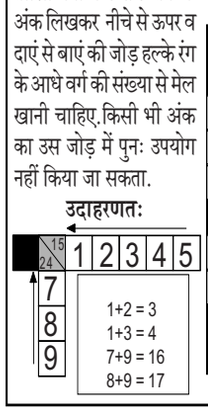

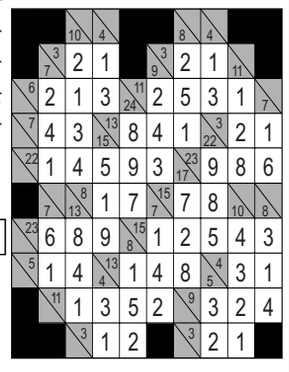

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3379 का हल

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से) - जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से) - हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से) - अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से) - साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

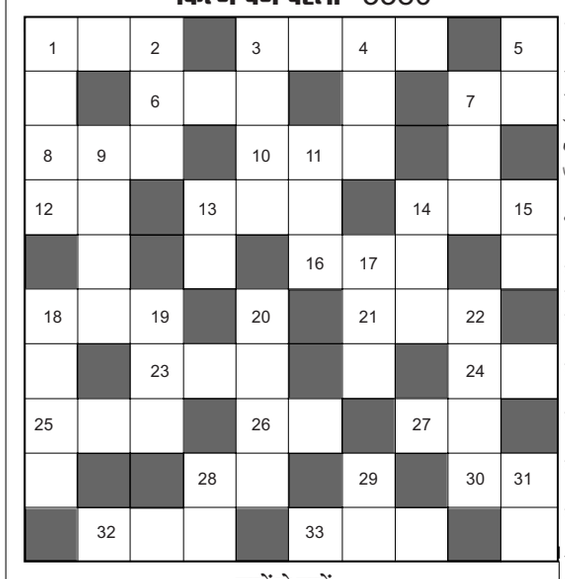

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से) - क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से) - तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3380

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3379

सूडोकु -3380

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3379 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 3380

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -3379 का हल

लंबित मामलों का निपटारा अब होगा आसान, सहमति समाधान को बढ़ावा : रितु यादव

राष्ट्रीय लोक अदालत आज : राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु 7 बेंचों का गठन

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद के सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संदीप गर्ग की अध्यक्षता एवं निर्देशानुसार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रितु यादव ने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा शनिवार, 14 दिसंबर को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए 7 बेंचों का गठन किया गया है। जिला अदालत, सेक्टर-12 में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

इन अदालतों में लगेंगी लोक अदालतें:

सीजेएम रितु यादव ने बताया कि मोटर दुर्घटना दावा याचिकाओं के लिए मोटर दुर्घटना दावा याचिकाओं के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमृत सिंह चालिया, साथ पैनल अधिवक्ता/सदस्य रईस खान, मोटर दुर्घटना दावा याचिकाओं के लिए एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज अमृत सिंह चालिया के साथ जग प्रवेश पैनल अधिवक्ता/सदस्य नियुक्त किया गया है। आपराधिक/सिविल/विद्युत अधिनियम मामलों के लिए सुश्री ज्योति लांबा, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज के साथ सुश्री अर्चना गोयल, पैनल अधिवक्ता/सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार पारिवारिक न्यायालय के मामलों के लिए एलडी अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश (परिवार न्यायालय) विजय जेम्स के साथ सुश्री निर्मला कुमारी पैनल अधिवक्ता/सदस्य किया गया है। एमसीएफ और सारांश मामलों के लिए एल.डी. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेंद्र सिंह के साथ अवदेश कुमार शर्मा पैनल अधिवक्ता/सदस्य नियुक्त किया गया है।

इसी तरह ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नवीन कुमार के साथ सुनील कुमार पैनल अधिवक्ता/सदस्य नियुक्त किया गया है। ट्रैफिक चालान और सिविल

आपराधिक मामलों के लिए अनिल कुमार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ ही सुश्री संगीता भाटी पैनल अधिवक्ता/सदस्य लगाया गया है। ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए सौरभ शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ बुद्ध देव दास, पैनल अधिवक्ता/ सदस्य, और ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए अमितेंद्र सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ सुश्री कश्मीरी देवी, पैनल अधिवक्ता/सदस्य तथा ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए रजत कुमार कनौजिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ ही सुश्री पूजा पावा, पैनल अधिवक्ता/सदस्य को लगाया गया है। ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए दीपक यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ सुश्री सुमन फुल्ले, पैनल अधिवक्ता/सदस्य, ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए सुश्री कोमल दहिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ पैनल अधिवक्ता/सदस्य हिमांशु रावत, ट्रैफिक चालान और सिविल आपराधिक मामलों के लिए सुश्री प्रेरणा आर्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ सुश्री रंजीता पटेल पैनल अधिवक्ता/सदस्य लगाया गया है। वहीं 138 एनआई एक्ट मामलों के लिए तरुण चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ मुकेश कुमार पैनल अधिवक्ता/सदस्य को, 138 एनआई एक्ट मामलों के लिए सुश्री हिमानी सागर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ सुश्री मनमीत कौर पैनल अधिवक्ता/ सदस्य और 138 एनआई एक्ट मामलों के लिए सुश्री प्रियंका वर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के साथ पैनल अधिवक्ता/सदस्य विनोद कुमार को लगाया गया है। वर्चुअल कोर्ट के लिए सुश्री नितिका भारद्वाज, एलडी एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के साथ केशव देव सिंह, पैनल अधिवक्ता/ सदस्य लगाया गया है।

समाधान शिविर के जरिए हो रहा है हर शिकायत का निदान : विक्रम सिंह

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला में समाधान शिविर के माध्यम से जन सुनवाई करते हुए जरूरतमंद लोगों की सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का प्राथमिकता से निदान किया जा रहा है। डीसी विक्रम सिंह जिला मुख्यालय पर प्रतिदिन कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सचिवालय सभागार में लगे समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए राहत पहुंचा रहे हैं। डीसी ने सम्बंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। समाधान शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे जिनकी सुनवाई डीसी द्वारा पूरे धैर्यपूर्वक की। डीसी ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई शिकायतों का अधिकांश का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिए गए।

डीसी ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। शिविर में कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए और शिकायतकर्ताओं को समाधान होने पर जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि जिले में फरीदाबाद मुख्यालय सहित बल्लभगढ़ व बड़खल उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर का आयोजन हो रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों का फायदा उठा अपनी समस्याओं का निदान करवा रहे हैं। साथ ही नगर निगम की ओर से भी समाधान शिविर निगम कार्यालय में लगाये जा रहे हैं। इस अवसर पर एसडीएम फरीदाबाद शिखा व एसीपी विनोद कुमार सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

नशे के विरुद्ध 1038 विद्यार्थियों को किया जागरूक

समाचार गेट/ब्यूरो

पंचकूला। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/ पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में हरियाणा राज्य में नशे के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई करते हुए अपराधियों को कारागार में भेजा जा रहा है। इस कड़ी में 2023 में 3823 अभियोग अंकित कर 5870 नशे में संलिप्त अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चूका है तो इस वर्ष 30 नवंबर 2024 तक 4627 अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज दिया लेकिन केवल एक तरफा कार्य से नशा मुक्त समाज नहीं होगा इसीलिए नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम करके युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है ताकि कोई व्यक्ति अज्ञानता और अशिक्षा के कारण नशे का शिकार न हो। ये शब्द हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहे। वे राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 26 में पहुंचे और उप प्राचार्या सपना खरग की अध्यक्षता में 1038 विद्यार्थियों और 56 शिक्षकों आदि ने भाग लिया। यह पंचकूला में एक दिवसीय 24 वां जागरूकता कार्यक्रम था। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को कहा कि यदि कोई भी नशा अच्छा होता तो माँ सबसे पहले कहती ले खा ले मेरे बच्चा। उन्होंने गीत, कविता, नारे आदि के माध्यम से भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशा शौंक बनकर आता है और जीवन के लिए शोक में परिवर्तित होकर जीवन का सुख चैन सब छीन लेता है। उन्होंने कहा यदि अच्छा जीवन जीना चाहते हो तो नशे को पहली बार में न कहें। अंत में शपथ ग्रहण करवाई।

महिला सुरक्षा को लेकर हरियाणा महिला आयोग और पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक का आयोजन

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। लघु सचिवालय सेक्टर-12 में हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया की अध्यक्षता में महिला विरुद्ध अपराधों के संबंध में गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान पुलिस उपायुक्त सेंट्रल उषा, एसीपी सहित सभी प्रबंधक महिला थाना, दुर्गा शक्ति व अन्य पुलिस कर्मचारी/अधिकारी सहित प्रोटक्शन ऑफिसर हेमा कौशिक, एडवोकेट भानू प्रिया उपस्थित रहे।

मीटिंग के दौरान चेयरपर्सन ने महिला पुलिसकर्मियों को पीडित महिला के प्रति संवेदन शील होने, महिला विरुद्ध अपराध में गम्भीरता से जांच करने, पीडित महिला की ठीक प्रकार से काउंसलिग करने, महिला विरुद्ध अपराधों में बिना किसी दवाब से साक्ष्य व दस्तावेजो के आधार पर कार्रवाई करने, महिला विरुद्ध अपराध के संबंध में शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा प्रथम चरण पर ही सशक्त कदम उठाए जाने, पुलिस कर्मचारी/अधिकारियों द्वारा महिला विरुद्ध अपराधों के कारणों का गहनता से अध्यन किया जाकर महिला विरुध अपराध में कमी लाने, महिला विरुद्ध अपराध के मामलों में समय पर सम्मन/नोटिस को तामिल कराने तथा निर्धारित समय में मामलों की रिपोर्ट आयोग को भेजने के संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श करके निर्देशित किया गया।

पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल ने मीटिंग के दौरान चर्चा हुए बिन्दुओं पर कहा कि बिन्दुओं पर अलग से प्रकाश डालाकर तुरंत कार्रवाई की जाएगी और पुलिस कर्मचारियों को अलग से अवगत कराया जाएगा।

फरीदाबाद के छात्रों ने लहराया परचम, जीते 18 स्वर्ण, 16 रजत व 9 कांस्य पदक

पुलिस आयुक्त राजेश दुग्गल ने शुभकामनाएं देकर किया सम्मानित

02 से 04 दिसम्बर तक दिल्ली में किया गया था नेशनल गेम का आयोजन, स्कूल के छात्रों ने हरियाणा की टीम का किया था प्रतिनिधित्व

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। 02 से 04 दिसम्बर तक DAV स्कूल संस्था के नेशनल गेम का दिल्ली में आयोजन कराया गया था। जिसमें फुटबॉल, खो-खो, नेटबॉल, रस्सा कुद, तीरन्दाजी व बॉक्सिंग इत्यादि खेलों की प्रतिस्पर्धा का आयोजन कराया गया था। इस राष्ट्रीय स्तर के खेलों में विभिन्न राज्यों के DAV स्कूल के खिलाडियों ने भाग लिया था। DAV पुलिस पबलिक स्कूल पुलिस लाईन सेक्टर-30 के विद्यार्थियों ने हरियाणा की तरफ से

उपरोक्त खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया था। खेल प्रतिस्पर्धा के दौरान स्कूल के विद्यार्थियों में नयन,फैजान, रमन, सिमरन व रुचिका ने फुटबॉल

में स्वर्ण पदक, रस्सी कूद प्रतिस्पर्धा में यशिका ने 3 स्वर्ण व एक रजत, श्रेया व भूमिका ने 2 स्वर्ण व एक रजत, तीरन्दाजी में सक्षम ने 4 स्वर्ण तथा बॉक्सिंग खेल स्पर्धा में एक स्वर्ण पदक, कुवम ने एक स्वर्ण,एक रजत व एक कांस्य, पंकज, लक्ष्य व आयुश ने एक-एक रजत व एक-एक कांस्य तथा तुषार ने एक कांस्य, खो-खो में प्रिया, प्राची, हर्षिता, लव्णया, मन्नत, सुरुची,गरिमा, वैष्णवी व किंजल ने एक-एक रजत पदक, नेटबॉल में अनुष्का, रुचि, जितिषा, लव्णया ने एक-एक कांस्य पदक जीता है। इस प्रकार DAV पुलिस पबलिक स्कूल पुलिस लाईन सेक्टर-30 के विद्यार्थियों ने हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 18 स्वर्ण,16 रजत व 9 कांस्य पदक जीत कर हरियाणा पुलिस का नाम रोशन किया है।

जो आज उपरोक्त सभी विजेता ने स्कूल के प्रधानाचार्या हेमा अरोडा, कोच पंकज यादव व विश्वजीत के साथ संयुक्त पुलिस आयुक्त राजेश दुग्गल के कार्यालय में भेट की। संयुक्त पुलिस आयुक्त द्वारा विजेताओं को शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त राजेश दुग्गल द्वारा सभी विजेताओं, प्रधानाचार्या व दोनों कोच को प्रशंसा पत्र भी दिया गया है।

शीत लहर व पाले से बचने के लिए एडवाइजरी की अनुपालना सुनिश्चित हो : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

जिलावासी जरूरी एहतियात बरतें, हर समय गर्म कपड़े पहनें तथा बाहर न सोएं

पशुओं व जीव-जंतुओं का भी रखें ध्यान

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि हरियाणा राज्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी शीत लहर व पाले के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की है कि जिलावासी ठंड से बचाव करने के लिए पूरी एहतियात बरतें। मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें और बुजुर्ग व बच्चों का विशेषकर ध्यान रखें। रात्रि के समय बुजुर्गों व बच्चों को बाहर न निकलने दें। अगर आसपास कोई पड़ोसी जो अकेला रहता है, विशेषकर बुजुर्ग, उनका हाल-चाल जरूर पूछते रहें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपातकालीन आपूर्ति आसानी से उपलब्ध रहे। हरसमय गर्म व ऊनी कपड़े जरूर पहनें। सिर को ढ़ककर

रखे व गर्म पानी नियमित रुप से लेते रहें।

उपायुक्त ने जिला नूंह के सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि संबंधित विभाग ठंड से बचाव के लिए अपने-अपने विभाग के संबंधित कार्यों व जिम्मेवारियों को पूरा करते रहें तथा अपने अधीनस्थ क्षेत्र में जीव-जंतुओं, पशुओं व लोगों के लिए ठंड से बचने संबंधी व्यवस्था पूर्ण करें। इस मौसम में हर वर्ष रैन बसेरे आदि चालू किए जाते हैं, उनका पहले की स्थिति के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करें। कोई भी व्यक्ति चाहे वह बेघर हो या अन्य, खुले में न सोएं। इस उद्देश्य के लिए वरिष्ठ अधिकारी शहरों, कस्बों, खासकर बस स्टैंड, अस्पताल आदि का निरीक्षण करते रहें।

उपायुक्त ने सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं का भी आह्वान किया है कि वे गरीबों और जरूरतमंदों, विशेष रूप से बेघर व्यक्तियों के लिए कंबल, ऊनी कपड़े, जूते, मोजे आदि का प्रबंधन करें। लोगों के साथ-साथ पशुओं का भी ख्याल रखा जाए। शीत लहर के दौरान जिला में फसलों, बागवानी, जंगल, पशुधन, मत्स्य पालन, जल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति, परिवहन, पर्यटन, अर्थव्यवस्था और आजीविका भी प्रभावित हो सकती है।

शीत लहर के कारण घरेलू और जंगली जानवरों, पक्षियों, मुर्गियों आदि की मृत्यु होने की संभावना बढ़ जाती है तथा बाहरी श्रमिकों, किसानों और पशुओं के लिए उचित योजना और पर्याप्त आश्रयों से ऐसी स्थितियों से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य, पशुपालन, कृषि, बागवानी, विकास एवं पंचायत व राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की एडवाइजरी का अनुसरण अवश्य करें।

फर्स्ट एड का ज्ञान घायल को देता है जीवनदान : डीसी

धुंध के मौसम में सडक़ पर वाहन चलाते समय सडक़ सुरक्षा नियमों की पालना अनिवार्य : विश्राम कुमार मीणा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूंह विश्राम कुमार मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव महेश गुप्ता की देखरेख में जिला रैड क्रॉस सोसाइटी निरंतर मानवहित में जीवनदायनी जागरूकता सेमिनारों का आयोजन संचालित कर रही है। इसी कड़ी में आज शुक्रवार को सडक़ सुरक्षा -जीवन रक्षा एवम फर्स्ट एड ज्ञान देता है जीवन दान विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रैड क्रॉस भवन नूह में किया गया जिसमे जिले के विभिन्न गांवों के 70 युवाओं ने भाग लिया। जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूंह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने कार्यशाला के दौरान मोटर वाहन संशोधन विधेयक- 2019 की विस्तृत जानकारी दी। जिनमें मुख्यत: शराब पीकर या किसी भी प्रकार का मादक पदार्थ लेकर वाहन ना चलाने, नाबालिग से वाहन ना चलवाने,

वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, आपातकाल वाहन को तुरंत रास्ता देने, आपातकाल नम्बरों के बारे जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय चालक के साथ बैठी सवारी को भी हेलमेट, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। आगामी समय में धुंध के दौरान वाहन निर्धारित लेन में लो-हाई बीम का इस्तेमाल करते हुए चलाएं तथा ओवरस्पीड, ओवरलोड वाहन बिलकुल न चलाएं। किसी भी दुर्घटना के दौरान घायल को मौके पर एंबुलेंस पहुंचने या अस्पताल पहुंचने तक उपयुक्त प्राथमिक सहायता, हार्ट अटैक, सिक्का निगलना, आगजनी के दौरान धुआं होने, बिजली का करंट लगने, पानी में डूबने, शरीर से बहुत खून बहने की स्तिथी में पीड़ित को ट्रांसपोर्ट करने, हार्ट के कार्य न करने तथा सांस न आने की अवस्था में जीवनदायिनी विधि सी.पी.आर. का प्रयोगात्मक तरीका समझाया। अंत में सभी को सडक़सुरक्षा नियमों की पालना हेतु शपथ दिलाई गई। इस कार्यशाला के सफल आयोजन में लिपिक नरेश कुमार, फर्स्ट एड कोऑर्डिनेटर नितिन वर्मा आदि का काफी योगदान रहा।

संपादकीय

दिल्ली की चुनावी जंग में किसके सर सजेगा सत्ता का ताज?

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है। दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है। भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है। निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मार्लेना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है। आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी। कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी-विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

विवाह शादी में हथियार चलाना व हथियार के साथ रील बनाकर फोटो अपलोड करना काननून अपराध : डीएसपी

अनैतिक तथा गलत कार्य करने वालों के खिलाफ पुलिस हुई सख्त

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। विवाह-शादी तथा सामाजिक समारोह में हथियार का शोक युवाओं पर भारी पड सकता है। पुलिस प्रशासन इस मामले में सख्ती से कदम उठा रहा है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ पूजा वशिष्ठ के दिशा-निर्देशन में कनीना के डीएसपी दिनेश कुमार ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर 'वैपन' के साथ फोटो अपलोड करना, विवाह-शादी तथा सामाजिक समारोह में हथियार रखना कानूनन जुर्म है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सअप, यू-ट्यूब, एक्स जैसे शॉसल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियार के साथ फोटो अपलोड करता है, रील दिखाता है या विवाह-शादी में हथियार चलाता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिनेश कुमार ने कहा कि पुलिस प्रशासन की ओर से अवैध हथियार तथा नशे के कारोबार का नेक्सस तोडने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। क्षेत्र में अवैध रूप से बेची जाने वाली शराब, स्मैक, गांजा सहित अन्य नशीले पदार्थों सहित आरोपियों को पुलिस द्वारा काबू किया जा रहा है। होटल एवं सार्वजनिक स्थानों पर गलत तथा अनैतिक कार्य करने वाले व्यक्तियों के अलावा अवैध हथियार रखने के आरोप में युवकों को काबू किया जा रहा है। दूसरी ओर पुलिस द्वारा ऐसे कार्य करने वाले व्यक्त्यिों की जानकारी गुप्त रूप से जुटाई जा रही है। जिनका अब बच पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि समाज को नष्ट व पथ भ्रष्ट कर अनैतिक तथा गलत कार्य करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। क्षेत्र में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मचारी लगातार गश्त कर रहे हैं।

भारतीय मजदूर संघ का जागरूकता अभियान 20 तक

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। भारतीय मजदूर संघ का जागरूकता अभियान 20 दिसंबर तक चलेगा जिसमें कर्मचारी संगठनों के अलावा आम लोगों को जागरूक किया जाएगा वही संघ की उपलबंधि भी बताई जाएगी।इस बारे में जानकारी देते हुए कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ के प्रदेश महामंत्री सुशील बिश्नोई ने बताया कि उनका संगठन भारतीय मजदूर संघ से संबंधित है और भारतीय मजदूर संघ की ओर से अब 1 दिसंबर से लेकर 20 दिसंबर तक लगातार प्रदेश भर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और मजदूर संघ की उपलबंधियां बताई जा रही हैं।उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की एक जुट रखने में भारतीय मजदूर संघ की अहम भूमिका है। मजदूर संघ ने कर्मचारी संगठनों के लिए लम्बी लडाई लड़ी है। उन्होंने बताया कि भारतीय मजदूर संघ द्वारा इसी अभियान को लेकर ब्लॉक ब्लाक व जिला स्तर पर भारतीय मजदूर संघ से जुड़े संगठनों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय मजदूर संघ की 70 वर्ष की जो यात्रा, उपलबंधियां है वह कर्मचारी हुए मजदूरों को बताई जा रही है।उन्होंने कहा कि देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम। इसी कहावत को मजबूत करते हुए भारतीय मजदूर संगठन काम कर रहा है। इस मौके पर सेवा सिंह, अश्वनी पारासर, सुनील बिश्नोई, अमित कुमार, विनोद कुमार, संतोष सहित अनेक कर्मचारी मौजूद थे।

समाधान शिविर व पोर्टल पर आई शिकायतों का करें उचित समाधान : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

उपायुक्त ने की विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविर, जनसंवाद पोर्टल, एसएमजीटी व सीपीग्राम पोर्टल तथा सीएम विंडो से संबंधित शिकायतों का जल्द व उचित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा इन पोर्टल पर शिकायतें अधिक दिन तक लंबित न रखी जाएं और तय समयसीमा में ही समस्याओं पर उचित कार्यवाही कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए, ताकि सरकार की सुशासन की पहुंच को आमजन भी महसूस कर सके। उपायुक्त शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में जन शिकायतों के समाधान से संबंधित विभिन्न पोर्टल पर आई शिकायतों पर संबंधित विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई विभागों की शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं, ऐसी शिकायतों पर यथाशीघ्र कार्यवाही की जाए। इन शिकायतों पर की गई कार्यवाही के संबंध में वे जल्द ही पुनः समीक्षा बैठक करेंगे, तब तक पोर्टल पर मौजूद शिकायतों की संख्या में कमी आनी चाहिए। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी तरीके से समाधान किया जाए ताकि जनता का सरकार की सुशासन की नीति के प्रति विश्वास और अधिक बढ़े। किसी शिकायत के समाधान में कोई समस्या है या फिर मामला मुख्यालय से संबंधित है तो उसका पूर्ण विवरण उनके समक्ष रखा जाए, ताकि ऐसे मामलों का निपटारा मुख्यालय से परामर्श प्राप्त कर किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि सीएम विंडो से संबंधित शिकायतों पर भी विभाग गंभीरता से कार्य करें। अगर किसी मामले में कोई जांच करवाई जानी है, तो संबंधित अॅथारिटी से जांच करवाकर मामले एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए तथा सीएम विंडो से शिकायतें हट सकें। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, सीईओ जिला परिषद अमित कुमार गुलिया, एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत, सीटीएम अशोक कुमार, एएसपी सोनाक्षी सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

समाधान शिविर में प्राप्त हुई 10 शिकायत : नगराधीश अशोक कुमार

उपमंडल स्तर पर लोगों की शिकायतों का निपटारा करने के उद्देश्य से आयोजित समाधान शिविर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। स्थानीय लघु सचिवालय काफ्रैंस के हॉल में सहायक पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सिंह ने शुक्रवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी।

सहायक पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सिंह ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर लोगों की शिकायतों का निपटारा करने के उद्देश्य से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्यदिवस को सुबह 10 से 12 बजे समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाता है। नगराधीश अशोक कुमार ने समाधान शिविर में शिकायतों को सुना। समाधान शिविर में कुल 10 शिकायतें आई सामने जिनके निपटान के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों के अलावा आधार कार्ड, फैमिली आईडी, बुढ़ापा पेंशन से संबंधित, बिजली से संबंधित, एनओसी लेने बारे, कब्जा दिलवाने से संबंधित शिकायत सुनी।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की शिकायत का प्राथमिकता के साथ निदान किया जा रहा है। अब लोगों को विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निपटारे के लिए अलग-अलग कार्यालयों में चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। समाधान शिविर में एक छत के नीचे ही सभी विभागों की शिकायतों का निदान किया जा रहा है।

स्कूलों में फिर होगा शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण : परमजीत चहल

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत चहल ने बताया कि अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) व फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमरेसी (एफएलएन) के क्रियान्वयन की प्रगति का अवलोकन करने के लिए अधिकारी स्कूलों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिए हैं कि स्कूलों के शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण के लिए विभाग की तरफ से एकेडमिक मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है, जिसमें विभाग के अधिकारी पर्यवेक्षण के लिए स्कूलों में जाते हैं। इसकी अनुपालना में शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण आरंभ किया गया है ताकि एफएलएन व ईसीसीई के तहत बाल वाटिका जैसे प्रोजेक्ट की प्रगति में सहायता मिल सके। इसके अतिरिक्त विद्यालयों में दी गई विभिन्न ग्रांट, सिविल वर्क, अध्यापकों की उपस्थिति व मध्याह्न भोजन योजना का भी पर्यवेक्षण किया जा सके। जिला एफएलएन कोऑर्डिनेटर कुसुम मलिक ने बताया कि सरकारी स्कूलों व प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण किए जाएंगे। इस पर्यवेक्षण के लिए विभाग की तरफ से टेंपलेट टूल बनाया जा रहा है। दिसंबर माह से ही पर्यवेक्षण शुरू किया जाएगा। वहीं निपुण हरियाणा के तहत करवाए जा रहे कार्यक्रम जैसे सकिल पासबुक,अध्यापक प्रशिक्षण, टीएलई, टीएलएम का उपयोग, संपर्कशाला, प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम बालवाटिका पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। लंबे समय से चल रहे गैरहाजिर या ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की संख्या को भी इसमें शामिल किया जाएगा। निपुण तथा गैर निपुण विद्यार्थियों को देखा जाए। इससे पर्यवेक्षण करने वाले अधिकारियों को बहुत जानकारियां प्राप्त होगी, जो योजना निर्माण व प्रबंधन आदि में सहायक होंगी। पर्यवेक्षण के दौरान विद्यार्थियों की कमियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रशासनिक दस्ते ने तीन गांवों से हटवाए वर्षों पुराने अवैध कब्जे

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के तीन गावों में शुक्रवार को प्रशासनिक दस्ते ने कब्जा कार्रवाई की। ड्यूटी मैजिस्स्टेट बीडीपीओ नवदीप सिंह के नेतृत्व में पंचायती राज, भू-राजस्व व पुलिस बल की मौजूदगी में गुढा, खरकडा बास व धनौंदा में पंचायती मलकियत से जेसीबी मशीन से अवैध कब्जे नेस्तनाबूद किए गए। गुढा गांव के सरंच वीरेंद दीक्षित ने बताया कि गांव की अनुसूचित जाति बस्ति में वर्षों पुराने तीन क्रम के रास्ते पर ग्रामीणों द्वारा पक्की तामीर बनाकर अवैध कब्जा किया हुआ था। उपमंडलाधीश कनीना स्थित न्यायालय में ग्राम पंचायत द्वारा वर्षभर पूर्व 7-वीसीएल का केस दायर किया गया था। अदालत ने जिसका हाल में फैसला जारी किया गया था। जिनको बीते समय कब्जा हटाने के नोटिस दिए गए थे लेकिन कब्जेधारियों द्वारा कब्जे नहीं हटाए गए। उसके बाद अदालत ने ड्यूटी मैजिस्टेट नियुक्त कर कब्जा कार्रवाई के निर्देश दिए गए। दस्ते की टीम में पुलिस टीम इंचार्ज किशोर कुमार, कानूनगो उमेद सिंह जाखड, पटवारी प्रदीप कुमार,ग्राम सचिव जितेंद्र कुमार सहित अन्य कर्मचारी व पंचायत सद्स्य शामिल थे।

'स्टेट कैरिज' बस परिचालक रियायती एवं फ्री-कैटेगरी यात्रियों से जबरन कर रहे किराया वसूली

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। स्टेट कैरिज बसों में यात्रा करने वाले रियायती एवं फ्री-कैटेगरी के यात्री आजकल बस परिचालक के उत्पीडन का शिकार हो रहे हैं। परिचालक स्टूडेंट पास, हैपी कार्ड, नम्बरदार, लोकतंत्र सेनानी, पत्रकार, सीनियर सिटीजन सहित विभिन्न कैटेगरी के पास दरकिनार कर यात्रियों से जबरन किराया वसूली कर रहे हैं। जिससे उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। पीडित यात्रियों की ओर से इस बारे में वाहन रजिस्टेशन अथोरिटी व परिवहन आयुक्त चंडीगढ को शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है। विदित रहे कि कनीना-महेंद्रगढ, रेवाडी, नारनौल, कोसली सहित विभिन्न रूटों पर सहकारी समिति तथा रोडवेज की बसें रवाना होती हैं। जिनके माध्यम से प्रतिदिन करीब 20 से 25 हजार यात्री यात्रा करते हैं। जिनमें कुछ यात्री रियायती एवं फ्री-कैटेगरी के भी शामिल हैं। यात्रा के दौरान सहकारी समिति बस के परिचालक बस पास को दरकिनार कर यात्रियों से किराया वसूली करते हैं। यात्री जब सक्षम अथोरिटी द्वारा जारी किया गया पास उन्हें दिखाते हैं तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। परिचालक ऐसे यात्रियों को चलती बस से नीचे उतरने की धौंस दिखाते हैं ओर बस पास को रोडवेज बसों में चलाने की बात कहते हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं घटित होने से यात्री परेशान हैं। विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में पढने वाले छात्र-छात्राएं रोजाना ऐसे परिचालकों के शिकार होते हैं। उनकी ओर से रोडवेज महाप्रबंधक, आरटीए को शिकायत की गई है। इसी प्रकार अन्य कैटेगरी के यात्रियों के साथ भी परिचालक अच्छा बर्ताव नहीं कर रहे हैं। पीडित यात्रियों पूनम चंद, राहुल, ललिता देवी, सुनील कुमार, सोनू, सतबीर ने परिवहन आयुक्त चंडीगढ को शिकायत भेजकर दोषी सहकारी समिति बस परिचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस बारे में आरटीए सचिव मनोज कुमार ने बताया कि जिन रियायती व फ्री-कैटेगरी यात्रियों से स्टेट कैरिज बस परिचालक किराया वसूली करते हैं। उनके विरूध शिकायत मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी।

पडतल में लोक निर्माण विभाग की जमींन में गड्डा खुदाई कर डाला निकासी का पानी, सडक हादसों की संभावना बढी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली सडक मार्ग पर गांव पडतल में निकासी का गंदा पानी नाला बनाकर लोक निर्माण विभाग के जगह में सडक किनारे गहरा गड्डा खोदकर डाल दिया गया है। जिससे सडक हादसों की संभावना बढ गई है। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत ने बीते समय इस नाले का निर्माण कराया था जिसका पानी जेसीबी मशीन से गहरा गड्डा खुदाई कर उसमें छोडा गया है। सर्दी के मौसम में धुंध एवं कोहरे में अदृष्यता कम होने की स्थिति में यहां पर सडक हादसे घटित होने की प्रबंल संभावना है। प्रबुधजनों एवं वाहन चालकों एडवोकेट मनोज शर्मा, वीरेंद्र सिंह, विनोद कुमार, राजकुमार, सतबीर सिंह, सुरेश कुमार ने निकासी का पानी डालने के लिए खुदाई किए गए गड्डे को अविलंब भरने की मांग की है। इस बारे में बीडीपीओ नवदीप सिंह ने कहा कि गड्डा खुदाई कर गंदा पानी डाले जाने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इस संदर्भ में जानकारी जुटाई जा रही है। ग्राम पंचायत की ओर से ऐसा किया गया है तो गलत है। इस पर शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे

नई दिल्ली । नई दिल्ली से मुंबई और तुर्किये के बीच यात्रा करने वाले 400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उड़ान में देरी की वजह से यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं एयरलाइन का कहना था कि परिचालन संबंधी दिक्कत की वजह से यात्रियों को दिक्कत हुई। परेशान यात्रियों ने सोशल मीडिया पर बताया कि बिना ठहरने की उचित व्यवस्था और खाना के वे ठंड में एयरपोर्ट पर ही इंतजार करते रहे। एक यात्री ने कहा, हमारी इस्तांबुल से दिल्ली के लिए फ्लाइट थी। करीब 500 यात्री एयरपोर्ट पर ही फंस गए। उड़ान का समय रात का 8 बजकर 10 मिनट था। लेकिन यह फ्लाइट अगले दिन दोपहर 1 बजकर 30 मिनट के लिए शेड्यूल कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक यात्री ने कहा कि दिल्ली के लिए फ्लाइट कैंसल कर दी गई। आने-जाने की सुविधा और ठहरने की सुविधा के बिना यात्रियों को सात डिग्री के तापमान में एयरपोर्ट पर ही ठिठुरना पड़ा। एक अन्य यात्री ने कहा कि इंडिगो की फ्लाइट डिजास्टस साबित हुई। यह फ्लाइट करीब 20 घंटे लेट हो गई। यात्रियों ने बताया कि पहले उड़ान को दो घंटे देरी से बताया गया। इसके बाद अचानक विमान को रद्द कर दिया गया। इसके बाद बताया गया कि अब उड़ान 12 घंटे बाद के लिए शेड्यूल कर दी गई है। इसके बाद सारे यात्री फंस गए। कुछ लोग बीमार भी थे। ना यात्रियों को भोजन दिया गया और ना ही रुकने की जगह। इंडिगो के किसी कर्मचारी ने यात्रियों से संपर्क भी नहीं किया।

विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकता है बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता । बांग्लादेश के एक प्रतिनिधिमंडल के 16 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में शामिल होने की संभावना है। रक्षा सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सोलह दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत की याद में हर साल 'विजय दिवस' मनाया जाता है। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी शासन का विरोध करने वाले गुरिल्ला प्रतिरोध बल का हिस्सा रहे 'मुक्ति योद्धा' और बांग्लादेश सशस्त्र बलों के सेवारत अधिकारियों का एक बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल हर साल कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा आयोजित 'विजय दिवस' समारोह में शामिल होता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि 16 दिसंबर के समारोह में बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हो सकता है, हालांकि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की संख्या के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। सेना की पूर्वी कमान 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी कमान मुख्यालय के मेजर जनरल-जनरल स्टॉफ (एमजीजीएस) मेजर जनरल मोहित सेठ ने हाल में कहा था कि 16 दिसंबर को फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा था कि 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये का सोना

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने चेकिंग के दौरान यात्री के कब्जे से टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये से ज्यादा का सोना जब्त किया है। इसकी जानकारी कस्टम विभाग ने आधिकारिक बयान में दी। सीमा शुल्क विभाग की ओर से बताया गया कि राजस्थान के 22 वर्षीय भारतीय पुरुष यात्री दोहा से दिल्ली पहुंचा। जहां एयरपोर्ट पर शख्स ने यात्रा के बाद कस्टम अधिकारियों को चकमा देने की कोशिश की। लेकिन अधिकारियों के सामने उसकी चालाकी नहीं चली। अधिकारियों ने उसके सामान से बहुत सारी टॉफी बरामग की। लेकिन जांच में पता चला कि उस शख्स ने टॉफी के रैपर में 240 ग्राम (करीब) सोने की चेन छिपाकर रखी थी। अधिकारियों ने फौरन उस सोने को जब्त किया। जब्त किए गए सोने की कीमत 17.47 लाख रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने बताया तेज निगाह वाले अधिकारियों ने बैगेज एक्स-रे के दौरान संदिग्ध तस्वीरें देखीं, जिससे यह मीठी खोज हुई! जीवन भले ही चॉकलेट के डिब्बे जैसा हो, लेकिन सीमा शुल्क विभाग हमेशा आखिरी चीज चुनता है!

श्वान पालने वालों के लिए बड़ी खबर, 1 जनवरी से अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

अहमदाबाद। शहर में श्वान पालने के शौकीनों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। शहर में आवारा पशुओं पर अंकुश के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने पालतु श्वान को लेकर बड़ा फैसला किया है। जिसके मुताबिक घर में श्वान रखने वालों को अब उसका पंजीकरण कराना होगा और यह नियम 1 जनवरी 2025 से लागू हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक एएमसी ने घर में पालतु श्वान रखने के लिए पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। 1 जनवरी से पालतु श्वान का पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं पालतु श्वान और उसके रखने की जगह की तस्वीर भी एएमसी को उपलब्ध करानी होगी। पालतु श्वान रखने के लिए रु. 200 का भुगतान कर पंजीकरण कराना होगा और श्वान की तस्वीर एएमसी की वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। पालतु श्वान के पंजीकरण के लिए आवेदक को अपनी तस्वीर के अलावा अपना आधार या चुनाव कार्ड, बिजली बिल, पालतु श्वान की फोटो और उसे रखने की जगह की तस्वीर देनी होगी। इतना ही नहीं पालतु श्वान का अनिवार्य रूप से टीकाकरण भी करवाना होगा। अहमदाबाद शहर में जिन नागरिकों को अपने घर में श्वान पाल रखा है उन्हें 1 जनवरी 2025 से 90 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ताकि एएमसी के पास आपके पालतु श्वान का संपूर्ण ब्यौरा उपलब्ध रहेगा।

सड़क दुर्घटनाओं में भारत का रिकॉर्ड ऐसा कि, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में मुंह छिपाना पड़ता है: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सत्ता पक्ष से विपक्षी दलों में सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी संसद में अपनी साफगोई और स्पष्टवादिता के लिए जाने जाते हैं। मुद्दा चाहे किसी भी दल के जनप्रतिनिधि का हो, गडकरी की कार्यशैली से प्रभावित हुए बिना कोई रह नहीं सकता।

गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के एक वक्तव्य से हर कोई दंग रह गया। जिसमें उन्होंने देश में लगातार बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि 'सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो भूल जाइए, मुझे ये कहने में कोई झिझक नहीं है कि विश्व स्तर पर इस मामले में भारत का सबसे गंदा रिकॉर्ड है। मैं सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा के लिए होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुंह छिपाने की कोशिश करता हूं'। स्वीडन ने हालांकि दुनिया में जीरो दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है।

सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि देश में सालाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 1.78 लाख है। उत्तर प्रदेश इस मामले में शीर्ष पर है। वहां सड़क दुर्घटनाओं के 23 हजार 652 मामले सामने आए हैं। यह कुल दुर्घटनाओं का करीब 13.7 फीसदी होता है। इसके बाद तमिलनाडु में 18 हजार 347 मामले सामने आए। जो कि 10.6 फीसदी होता है। तीसरे स्थान पर 15 हजार 366 मामलों के साथ महाराष्ट्र (9 फीसदी) है। चौथे स्थान पर 13 हजार 798 मामलों के साथ मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 8 फीसदी पर रहा। इन चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर मामले में सुधार की कोशिश का तर्क गडकरी ने सदन के समक्ष दिया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के शहरों में सामने आए मामलों के बारे में बताते हुए कहा कि दिल्ली में 1 हजार 457 मामले, बेंगलुरु में 915 और जयपुर में 850 सड़क दुर्घटना के मामले सामने आ चुके हैं।

50 फीसदी के लक्ष्य तक पहुंचने से कोसो दूर

गडकरी ने कहा कि मंत्रालय ने मौजूदा साल के अंत तक देश में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 फीसदी की कटौती का लक्ष्य रखा था। इसे हम हासिल नहीं कर सके। बल्कि यह बढ़ गए हैं। यह हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है कि दुर्घटनाओं में 60 फीसदी मौतें 18 से 34 साल के युवाओं की हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी सांसदों से सहयोग करने का आह्वान किया। गडकरी ने कहा कि इस मामले में समाज के सहयोग की बेहद आवश्यकता है। लोग कानून का सम्मान नहीं करते जिसकी वजह से

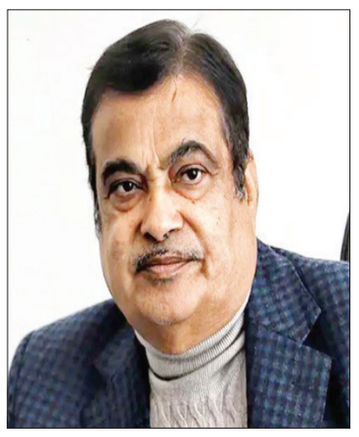

सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी केंद्रीय मंत्री को मामले पर सदन के सभी सदस्यों को पुनः पत्र लिखकर सहयोग करने की अपील की। जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

निजी अस्पताल में लगी आग, 7 की मौत, कई झुलसे

-मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल, तीन गंभीर

चेन्नई। तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक निजी अस्पताल में गुरुवार रात आग लगने से अब तक सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई झुलस गए। मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक आग गुरुवार रात लगी। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया। अस्पताल में फंसे लोगों को निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद लोगों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस और निजी एम्बुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। आग डिंडीगुल जिले के तिरुचि रोड स्थित चार मंजिला अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। इसके बाद धीरे-धीरे आग ने पूरे अस्पताल को अपनी चपेट में ले लिया। शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे के बाद ग्रामीण विकास मंत्री पहुंची। इस हादसे को लेकर डिंडीगुल की जिला कलेक्टर ने कहा कि रात 10 बजे निजी अस्पताल में आग लगी थी। खबर मिलते ही रेस्क्यू किया गया। मरीजों को बचाकर पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनका इलाज चल रहा है।

अखिलेश का केंद्र पर हमला, देश की सीमाएं आज खतरे में और सुरक्षा में सेंध लगी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)।लोकसभा में संविधान पर चल रही चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हनन करने और अल्पसंख्यकों को हाशियों पर धकेलने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि देश की सीमाएं आज खतरे में हैं। उन्होंने कहा, सीमाओं की रक्षा करना किसी भी सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है, लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सीमाएं सिकुड़ रही हैं और सीमा सुरक्षा में सेंध लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने देश में बढ़ती आर्थिक विषमता पर चिंता जताकर कहा, आज 82 करोड़ लोग सरकारी अन्न पर निर्भर हैं, जबकि मोदी सरकार अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर बताती है। उन्होंने सवाल उठाया कि देश की 60 प्रतिशत आबादी की प्रति व्यक्ति आय क्या है?

अल्पसंख्यकों के अधिकार और सुरक्षा

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनके खिलाफ हिंसा और संपत्ति नुकसान की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। अखिलेश यादव ने संविधान को लोकतंत्र की प्राणवायु और 90 प्रतिशत जनता का सुरक्षा कवच बताया। उन्होंने कहा, संविधान की प्रस्तावना इसकी आत्मा है और यही हमें समानता और न्याय की दिशा में ले जाती है।

दिल्ली के बाद अब रांची में बढ़ा वायु प्रदूषण, जमशेदपुर-धनबाद भी पीछे नहीं

-खुले में सांस लेना हुआ खतरनाक, मास्क लगाने की दी जा रही सलाह

रांची (एजेंसी)। एक तरफ ठंड की मार लोग झेल रहे हैं वहीं दिल्ली की हवा भी प्रदूषित है। अब दिल्ली के साथ ही झारखंड के भी हालात बिगड़ने लगे हैं। दूषित हवा के मामले में जमशेदपुर कुछ दिनों पहले टॉप पर था लेकिन दो दिनों से वहां कुछ सुधार हुआ है अब टॉप पोजीशन पर रांची आ गया है। जी हां! पिछले दो दिनों से एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट में रांची 200 से पार पहुंच गया है।

वहीं, जमशेदपुर व धनबाद का आंकड़ा भी 150 के ऊपर चला गया। ताजा आंकड़ा भी काफी निराशाजनक है जिसे लेकर लोगों को सचेत रहना होगा। वहीं, घर से बाहर निकले तो मास्क जरूर लगाएं। एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक पिछले 24 घंटे में रांची में प्रदूषण का स्तर सबसे ऊपर रहा। यहां एक्युआई का आंकड़ा

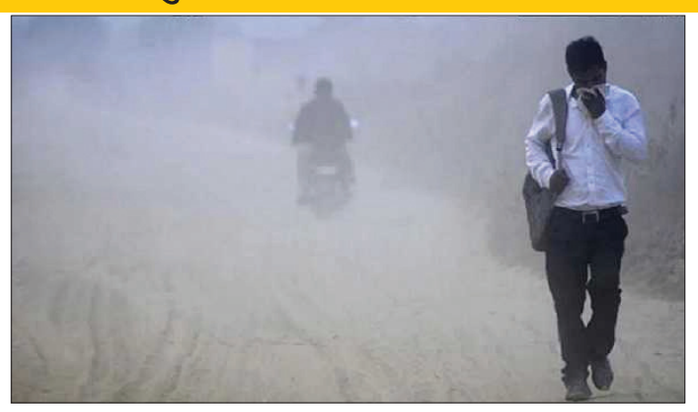

233, जमशेदपुर का 165 और धनबाद का 162 दर्ज किया गया है। जो सामान्य से ऊपर है। वहीं, आज रांची का सबसे ज्यादा 225, धनबाद का 166 और जमशेदपुर का 165 रहने की संभावना है। इन शहरों में खुले में सांस लेना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी जा रही है।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से प्रदूषण वाले शहर के लोगों को सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। लोगों से घर के बाहर निकलने पर मास्क जरुर लगाने को कहा जा रहा है। वहीं घर के दरवाजे-खिड़की को ज्यादातर बंद रखने को कहा है ताकि घर के अंदर धूलकण आने से रोका जा सके। संभव हो तो घर में एयर प्यूरीफायर लगा सकते हैं। बाहर धूल या गंदी जगहों पर बच्चों को खेलने न दें।

बता दें 0 से 50 के बीच में एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। वहीं, 51 से 100 के बीच सामान्य, 101 से 200 के बीच खराब, 201 से 300 के बीच अनहेल्दी, 301 से 400 के बीच सर्वर और 401 से 500 के बीच खतरा यानी यह डेंजर जोन में आता हैं इसलिए वायु प्रदूषण के बचने के लिए चेतावनी और अपील की जा रही है।

केंद्रीय नेतृत्व ने फडणवीस को खुली छूट, मंत्रिमंडल का गठन अपने हिसाब से करें

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को खुली छूट दे दी है। प्रोफाइल और विभाग आवंटित करने की जिम्मेदारी सीएम फडणवीस की ही होगी। राज्य के लिए महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी को 20 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है, जबकि शिवसेना और एनसीपी को 10-10 विभाग मिलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना चुका है। महाराष्ट्र भी विकास की कहानी का हिस्सा बनने की इच्छा रखता है। सीएम फडणवीस ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल में भाजपा के संभावित मंत्रियों के नाम शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं और अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने भारी जीत दर्ज की थी। भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन ने 230 सीटें जीतीं, जबकि गठबंधन का हिस्सा छोटे दल पांच सीटों पर विजयी रहे। फडणवीस के अलावा, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनीति, उद्योग और मनोरंजन क्षेत्र के कई नेताओं की उपस्थिति में उपमुख्यमंत्रियों के रूप में शपथ ली। फडणवीस ने सत्ता-साझाकरण समझौते पर सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच मतभेदों की रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया।

दिल्ली बीजेपी ने 5000 पन्नों के सबूतों के साथ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी, डुप्लीकेट और फर्जी पते वाले मतदाताओं के खिलाफ आपत्ति दर्ज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दो चुनाव आयुक्तों से मुलाकात कर दिल्ली की मतदाता सूची में लाखों अवैध घुसपैठियों (रोहिंग्या और बांग्लादेशी मूल के), डुप्लीकेट, फर्जी पते वाले और मृत लोगों के नाम शामिल होने का विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग इन शिकायतों को प्राथमिकता से कानूनी आधार पर हल करे ताकि दिल्ली विधानसभा चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष हों।

वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी की चुनाव समन्वय समिति के राष्ट्रीय संयोजक ओम पाठक, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता सुबांसुरी स्वराज, दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और दिल्ली बीजेपी चुनाव समिति के संयोजक अधिवक्ता संकेत गुप्ता शामिल थे।

वीरेंद्र सचदेवा ने ECI को 5000 पन्नों के प्राथमिक सबूतों के साथ विस्तृत प्रस्तुति दी। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को

बताया कि यह हैरानी की बात है कि हर बार लोकसभा चुनाव समाप्त होने और विधानसभा चुनाव शुरू होने के बीच लाखों नए मतदाता पंजीकृत होते हैं। यह संख्या वार्षिक मतदाता सारांश संशोधन की सामान्य प्रक्रिया से काफी अधिक होती है।

सचदेवा ने कहा कि अगस्त 2024 के चुनाव आयोग के एक सर्कुलर के आधार पर, बीजेपी कार्यकर्ता दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में जांच कर रहे हैं और पाया है कि बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी मतदाता पंजीकृत हैं। इसके अलावा, डुप्लीकेट, फर्जी पते और मृत मतदाता भी बड़ी संख्या में सूची में शामिल हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की कि अवैध मतदाताओं के पंजीकरण और नकली मतदान के खिलाफ अभियान चलाया जाए। उन्होंने मीडिया और रेडियो अभियानों के जरिए ऐसे मतदाताओं को सख्त चेतावनी देने की भी मांग की।

बांसुरी स्वराज ने दिए कानूनी सबूत

सुबांसुरी स्वराज ने 18 मजबूत सबूतों की सूची प्रस्तुत की, जिनमें रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के पंजीकरण का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि कैसे कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में एक ही परिवार के व्यक्ति अलग-अलग EPIC नंबरों के साथ बार-बार पंजीकृत हैं। उन्होंने ऐसे मामलों का जिक्र किया जहां एक ही समुदाय के मतदाता गैर-मौजूद पते पर पंजीकृत हैं या एक ही परिवार के सदस्य एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलओ अपने पवित्र कर्तव्य को निभाने में विफल हो रहे हैं। हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के गलत प्रचार पर चुनाव आयोग को विरोध से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल घुसपैठियों और फर्जी पते वाले मतदाताओं का विरोध कर रही है, न कि भारतीय मूल के मतदाताओं का। उन्होंने चुनाव आयोग से मीडिया के माध्यम से इस मामले पर स्पष्टता देने का अनुरोध किया।

पुरुषो के खिलाफ दहेज कानून के दुरुपयोग को रोकने की मांग

बेंगलुरु इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु स्थित एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या के बाद दहेज कानूनों के दुरुपयोग और दुरुपयोग के लिए दिशानिर्देश पेश करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। उत्तर प्रदेश के 34 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की मंगलवार को बेंगलुरु में उनके आवास पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। सुभाष ने 24 पन्नों का एक नोट और 1.5 घंटे लंबा एक वीडियो छोड़ा, जिसमें अपनी अलग रह रही पत्नी और उसके परिवार पर उत्पीड़न और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया गया।

वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में अदालत से केंद्र को अपने पहले के फैसले में की गई टिप्पणियों को

लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के दुरुपयोग को चिह्नित किया था, जहां पति और उसके रिश्तेदारों को पत्नी के खिलाफ घरेलू क्रूरता का आरोप लगाते हुए अनावश्यक रूप से आपराधिक मामलों में घसीटा जाता है। इसने अदालत से मौजूदा दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों की समीक्षा और सुधार करने और उनके दुरुपयोग को रोकने के उपाय सुझाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वकीलों और कानूनी न्यायविदों की एक विशेषज्ञ समिति बनाने के निर्देश जारी करने की भी मांग की। याचिका में यह भी मांग की गई है कि विवाह पंजीकरण में विवाह के दौरान दिए गए सामान और उपहारों को भी दर्ज किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके और पति के रिश्तेदारों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए परिवार के निर्दोष सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

अमेरिका ने क्यों नहीं सौंपा खालिस्तानी आतंकी पन्नू का बैंक डिटेल, इसके पीछे क्या है मंसूबा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत ने एक मामले में अमेरिका से आतंकी पन्नू के बैंक खातों और मोबाइल नंबर्स की डिटेल मांगी थी। वॉशिंगटन ने जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। भारत और अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग करने का करार है, इसके बावजूद भारतीय जांच एजेंसी की मांग को ठुकरा दिया। बता दें कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत ने यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया हुआ है। उस पर कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। बता दें कि पन्नू ने पंजाब और हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस से पहले इमारतों पर तिरंगे की जगह खालिस्तान का झंडा फहराने वाले को 2,500 डॉलर देने की घोषणा की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने एक गंभीर मामले की छानबीन के दौरान अमेरिका से खालिस्तानी आतंकी पन्नू के बैंक खातों की डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा मांगा। रिपोर्ट की मानें तो अमेरिका ने भारत के इस आग्रह को ठुकराते हुए इनसे जुड़ी जानकारियां साझा करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने घरेलू कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए बैंक अकाउंट डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा साझा करने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि जिस अपराध के लिए एनआईए की ओर से जानकारी मांगी गई थी, उसके लिए अमेरिका में सिर्फ 1 साल जेल का प्रावधान है। ऐसे में संबंधित अपराध के लिए इस तरह की जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं।एनआईए ने चार साल से भी ज्यादा पुराने मामले में पन्नू से जुड़ी डिटेल अमेरिका से मांगी थी. दरअसल, 14 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दो लोगों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर मोगा के जिला प्रशासनिक परिसर में प्रवेश किया. उन्होंने छत पर खालिस्तान का झंडा फहराया और तिरंगे का अपमान किया। तत्कालीन मोगा एसएसपी हरमनबीर सिंह गिल ने कहा था कि दोनों लोगों की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थीं. इस मामले में फरार पन्नू के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। एनआईए इस मामले की जांच कर रही है.

संक्षिप्त समाचार

काबुल में बम विस्फोट, शरणार्थी मामलों के मंत्री हक्कानी की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार को एक आत्मघाती बम विस्फोट में तालिबान सरकार के शरणार्थी मामलों के मंत्री की मौत हो गई. यह जानकारी गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने दी. अधिकारियों के मुताबिक विस्फोट मंत्रालय के भीतर हुआ. इस वजह से शरणार्थी मामलों के मंत्री खलील हक्कानी की मौत हो गई. बता दें कि खलील हक्कानी ऐसे वरिष्ठ पदाधिकारी थे जिनकी अफगानिस्तान में तालिबान के द्वारा सत्ता प्राप्त किए जाने के तीन साल के अंदर बम विस्फोट में मौत हुई है. हालांकि तत्काल बम विस्फोट की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, हक्कानी हक्कानी नेटवर्क का एक वरिष्ठ नेता था, जो तालिबान के भीतर एक शक्तिशाली आतंकवादी गुट है. हक्कानी समूह पर 20 साल के विद्रोह के दौरान पूरे अफगानिस्तान में बड़े हमले करने का आरोप है. बता दें उसका भतीजा, सिराजुद्दीन हक्कानी, अब नेटवर्क का नेतृत्व करता है और तालिबान के कार्यवाहक आंतरिक मंत्री के रूप में कार्य करता है. 2021 में तालिबान द्वारा देश पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान में हिंसा कम हो गई है, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और नाटो के नेतृत्व वाली विदेशी सेनाओं के खिलाफ उनका युद्ध समाप्त हो गया है. हालांकि, इस्लामिक स्टेट की क्षेत्रीय शाखा, जिसे इस्लामिक स्टेट खुरासान के नाम से जाना जाता है, देश में सक्रिय है. आईएसआईएस खुरासन नियमित रूप से नागरिकों, विदेशियों और तालिबान अधिकारियों को बंदूक और बम हमलों के जरिए निशाना बनाती रही है।

सूडान के उत्तरी दारफुर में अर्धसैनिक बलों के हमले में 15 लोगों की मौत

खार्तूम , एजेंसी। सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर के दक्षिण में एक विस्थापन शिविर और एक बाजार पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने तोपखाने से गोले दागे, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 64 अन्य घायल हो गए। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम ख़ातिर ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, अब तक 15 लोग मारे गए हैं और 64 अन्य घायल हुए हैं। वहीं जमजम शिविर और पशुधन बाजार पर आरएसएफ मिलिशिया का हमला अभी भी जारी है। हताहतों में ज्यादातर बच्चे और महिलाएं हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 6ः00 बजे हुए हमले को सबसे हिंसक बताया। आरएसएफ ने 10 मई को एल फशर की घेराबंदी शुरू की थी।

ब्रिटेन में सड़क दुर्घटना में भारतीय छात्र की मौत, चार लोग घायल

लीसेस्टरशायर, एजेंसी। बयान में कहा गया है, ''पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई तथा वाहन में सवार तीन अन्य यात्री और चालक को अस्पताल ले जाया गया। दो पुरुष यात्री गंभीर रूप से घायल हैं।'' बताया जा रहा है कि ये सभी लोग आंध्र प्रदेश से हैं। पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टरशायर में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। लीसेस्टरशायर की पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार सुबह हुआ जिसमें एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चिरंजीवी पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला, दो पुरुष और चालक घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक (27) को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

एमआईटी में भारतीय मूल के पीएचडी छात्र को निलंबित किया गया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका स्थित 'मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (एमआईटी) में पीएचडी कर रहे भारतीय मूल के एक छात्र को फलस्तीन समर्थक सक्रियता के कारण जनवरी 2026 तक निलंबित कर दिया गया है और उसने विश्वविद्यालय के फैसले के खिलाफ अपील की है। ' एमआईटी कोलिशन अगेंस्ट अपार्थेड' नामक एक संगठन ने 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' साझा करके बताया कि नेशनल साइंस फाउंडेशन के फेलो प्रह्लाद अयंगर को ''जनवरी 2026 तक निलंबित'' कर दिया गया है। संगठन ने कहा कि इस निलंबन से अयंगर की पांच वर्षीय एनएसएफ फेलोशिप समाप्त हो जाएगी तथा उनका शैक्षणिक कैरियर बुरी तरह प्रभावित होगा। उसने कहा कि 'इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस' विभाग में पीएचडी के छात्र अयंगर बुधवार को एमआईटी में कुलपति के समक्ष ''इस निर्णय के खिलाफ अपील कर रहे हैं'' जो ''इस उत्पीड़न को रोकने और उनकी अकादमिक गरिमा को बहाल करने का अंतिम अवसर है।'' संगठन ने कहा, ''यह निर्णय भाषण–संबंधी गतिविधियों के परिणामस्वरूप लगाए गए कई प्रतिबंधों में सबसे कठोर है।

अदालत ने खारिज की हिंदू संत चिन्मय दास की अपील
कहा- तय तारीख पर ही होगी जमानत याचिका पर सुनवाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को राजद्रोह के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि उनकी याचिका पर सुनवाई पहले तय की गई तारीख 2 जनवरी 2025 को होगी।

अदालत के अधिकारियों के मुताबिक, चटगांव मेट्रोपोलिटन सेशन जज सैफुल इस्लाम ने याचिका खारिज की, क्योंकि वकील के पास चिन्मय दास की ओर से याचिका दायर करने का अधिकार पत्र (पावर ऑफ अटॉर्नी) नहीं था। वकील रवींद्र घोष ने अदालत से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, जब दूसरे वकील ने अदालत को बताया कि रवींद्र घोष के पास चिन्मय दास की ओर से उनका प्रतिनिधित्व करने का अधिकार पत्र नहीं है, तो जज ने उनकी जल्द सुनवाई की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि घोष ने कहा कि दास को झूठे और मनगढ़ंत मामले में फंसाया गया है, जबकि वे डायबिटीज, अस्थमा और अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। हालांकि, वकील ने यह माना कि उन्होंने चिन्मय दास से अधिकार पत्र हासिल करने के लिए जेल में उनसे मुलाकात नहीं की थी। उन्होंने कहा, अब मैं चिन्मय दास से मिलने जेल जाऊंगा और उनसे अधिकार पत्र हासिल करूंगा। इससे पहले, तीन दिसंबर को होने वाली सुनवाई को अदालत ने 2 जनवरी 2025 तक के लिए स्थगित कर दिया था, क्योंकि उस दिन

आरोपी की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ था। अभियोजन पक्ष के सुझाव पर यह तारीख बदली गई थी।

दास के एक सहयोगी और उनके सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के सदस्य स्वतंत्र गौरंग दास ने पहले कहा था कि किसी भी वकील ने दास के लिए प्रतिनिधित्व नहीं किया, क्योंकि उन पर राजनीतिक रूप से प्रेरित वकीलों के समूह से दबाव था और धमकियां मिली थीं।

हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए थे चिन्मय कृष्ण दास

चिन्मय कृष्ण दास पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन चटगांव की अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था और उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उन पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप था। दास की गिरफ्तारी के बाद उनके अनुयायियों ने ढाका और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए, जिसमें चटगांव में प्रदर्शन हिंस गया, जहां एक वकील की मौत हुई। इस वकील की मौत के बाद इस्कॉन पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। इस्कॉन ने भी यह कहते हुए दास से दूरी बना ली कि उन्हें छह महीने पहले संगठन से निकाल दिया गया था।

31 अक्तूबर को चटगांव के कोटवाली थाने में दास और उनके 18 अन्य सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोप था कि उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। जिसमें एक स्थानीय नेता भी शामिल था, जो पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी का सदस्य था। लेकिन उसे पार्टी से निकाल दिया गया था।

एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे का पद छोड़ने का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ने का एलान कर दिया है। रे ने कहा है कि वे जो बाइडन का कार्यकाल खत्म होने के बाद ही जनवरी में एफबीआई निदेशक का पद छोड़ देंगे। क्रिस्टोफर रे का यह एलान डोनाल्ड ट्रंप के उस एलान के एक हफ्ते बाद ही आया है, जिसमें ट्रंप ने कश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था। बुधवार को एफबीआई मुख्यालय में आयोजित हुई एक बैठक में क्रिस्टोफर ने पद छोड़ने का एलान किया। अभी रे के 10 साल के कार्यकाल में तीन साल का समय और बचा है। हालांकि जब ट्रंप ने कश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था तो तभी से इस बात की चर्चा थी कि क्रिस्टोफर रे समय से पहले इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन ट्रंप के शपथ लेने से पहले ही इस्तीफे का एलान कर क्रिस्टोफर रे ने चौंकाया है। माना जा रहा है कि नई सरकार के साथ किसी तरह के टकराव से बचने के लिए क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ना ही बेहतर समझा है। अपने कार्यकाल के दौरान रे ने एफबीआई को राजनीति से दूर रखने की कोशिश की। पद छोड़ने का एलान करते हुए क्रिस्टोफर रे ने कहा कि पद छोड़ने का एलान उनके लिए आसान नहीं है। मुझे इस जगह से प्यार है और मुझे अपने काम से भी प्यार है, लेकिन मेरा फोकस हमेशा इस बात पर रहा है कि एफबीआई के लिए क्या सही है। जब रे ने यह एलान किया तो उस दौरान बैठक में मौजूद कई लोगों की आंखों में आंसू भी देखे गए। वहीं रे के इस्तीफे के एलान पर ड्रोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने इसे अमेरिका के लिए एक अच्छा दिन बताया और इससे अमेरिका के अन्याय विभाग का शस्त्रीकरण बंद होगा।

सिंगापुर में भारतीय नागरिक को जेल, अवैध रूप से 58 कछुए ले जाने का आरोप

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में अवैध रूप से कछुए ले जाने के लिए भारतीय नागरिक को एक साल और चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी को अगस्त में 58 इंडियन स्टार कछुओं के साथ पकड़ा गया था. द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि आरोपी अब्दुल जाफर हाजी अली के निजी सामान में कछुए छिपाए गए थे, जब वह 29 अगस्त को भारत से सिंगारपुर के चांगी एयरपोर्ट पर पहुंचा था, जहां से उसे जकार्ता के लिए दूसरी उड़ान लेनी थी. 40 वर्षीय अली ने सीलबंद बैग में कछुए छिपाए थे, जो हवादार नहीं था. सिंगापुर की अदालत ने देश में अवैध रूप से इंडियन स्टार कछुए लाने के लिए अली को दोषी ठहराया, क्योंकि इन कछुओं को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (ढ्ढष्टह्र) द्वारा लुप्तप्राय प्रजाति घोषित किया गया है. इससे पहले, अली पर लुप्तप्राय प्रजाति (आयात और निर्यात) अधिनियम और पशु एवं पक्षी अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे कि कछुओं को कोई नुकसान न पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम नहीं उठाया गया था. रिपोर्ट के अनुसार, कछुओं में से एक की मौत हो गई थी, जबकि 22 अन्य को बाद में कमजोर पाया गया. अली को ये कछुए अपने दोस्त से मिले थे, जिसकी पहचान अदालती दस्तावेजों में भाई के रूप में की गई है. भाई ने विदेश यात्रा की व्यवस्था करने में अली की मदद की थी, जिसमें फ्लाइट का टिकट और रहने की व्यवस्था करना शामिल था. इसके बदले में, भाई ने पैक किए गए सामान को जकार्ता तक ले जाने के लिए अली से मदद मांगी. सिंगापुर के नेशनल पार्क्स बोर्ड (एनपार्क) के वकील लिम चोंग हुई ने कहा कि अली ने पैकेज की सामग्री के बारे में नहीं पूछा और न ही भाई द्वारा 28 अगस्त को चेन्नई में इसे सौंपने के बाद कभी भी इसकी जांच की. लिम ने कहा कि आरोपी को भाई की उपस्थिति में सामान की सामग्री की जांच करने और उसे सत्यापित करने का पर्याप्त अवसर मिला था.

सीरिया की क्षेत्रीय अंखडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र, इजरायल को सुनाई खरी-खरी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ है। एक यूएन प्रवक्ता ने यह बयान दिया है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद इजरायल ने गोलान हाइट्स में एक बफर जोन पर कब्जा कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि हम सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ हैं। हम इस तरह के हमलों के भी विरोध में हैं। दुजारिक से उन मीडिया रिपोर्ट्स के बारे में पूछा गया था जो इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के 320 सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हमले को लेकर थी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल-असद की सरकार के पतन के बाद, इजरायल ने सीरिया में अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया और गोलान हाइट्स में एक गैर-सैनिक बफर जोन पर कब्जा कर लिया। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गोलान हाइट्स को सीरिया का कब्ज़ा वाला क्षेत्र मानता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम बफर ज़ोन पर आईडीएफ के कब्ज़े के बाद हुए 1974 के सीरिया-इजरायल समझौते के उल्लंघन के बारे में बहुत स्पष्ट थे। प्रवक्ता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सीरिया के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

ब्रिटेन में चचेरे भाई-बहन की शादी बैन करने की मांग
सांसद ने कहा कि इससे आनुवांशिक बीमारियां बढ़ रहीं, भारतवंशी सांसद ने विरोध किया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक कंजर्वेटिव नेता ने संसद में चचेरे भाई-बहनों के बीच शादी पर रोक लगाने की मांग की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड होल्डन ने बुधवार को प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों से हुए बच्चों में बीमारियां और विकलांगता का खतरा बहुत बढ़ गया है। यह पब्लिक हेल्थ सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। सांसद ने ऑक्सफोर्ड जर्नल ऑफ लॉ एंड रिलीजन शोध का हवाला देते हुए कहा कि इन शादियों से होने वाले बच्चों में सामान्य बच्चों की तुलना में आनुवांशिक बीमारियां होने का खतरा दोगुना ज्यादा होता है। यह प्रथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

होल्डन ने कहा कि आधुनिक ब्रिटिश समाज के लिए यह प्रथा बिल्कुल भी सही नहीं है। देश के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि उनके दादा-दादी के वक्त की तुलना में अब हालात ज्यादा खराब हो चुके हैं। हालांकि, पिछले कुछ साल से इसमें गिरावट आ रही है, क्योंकि कुछ युवा इस सिस्टम को नहीं मान रहे हैं, लेकिन फिर भी इस पर रोक लगाना जरूरी है। होल्डन ने कहा कि ब्रिटेन में कुछ प्रवासी समुदाय, जैसे कि ब्रिटिश-पाकिस्तानी और आयरिश ट्रैवलर्स में चचेरे भाई-बहनों के बीच विवाह दर ज्यादा है। इनमें करीब 40त्न शादियां फर्स्ट कजन (चचेरे भाई-

बहनों) के बीच होती हैं।

ब्रिटेन में फर्स्ट कजन मैरिज पर कानून नहीं सांसद ने कहा कि दुनियाभर में करीब 10प्रतिशत शादियां चचेरे भाई-बहनों में होती है। अफ्रीका के सहारा रीजन में 35 से 40 फीसदी लोग चेचेरे भाई-बहनों में शादी करते हैं। मिडिल ईस्ट और साउथ एशिया में भी यह कल्चर बेहद आम है। पाकिस्तान के कुछ हिस्से में तो यह 80प्रतिशत पहुंच चुकी है।

ब्रिटेन में भाई-बहन, माता-पिता या फिर अपने ही बच्चे से विवाह पर बैन है, लेकिन चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों को लेकर वहां कोई कानून नहीं है। होल्डन के प्रस्ताव पर कई कंजर्वेटिव साथियों का साथ मिला। हालांकि, सरकार के समर्थन के बिना यह कानून बनना संभव नहीं है। **भारतीय मूल के सांसद बोले- बैन समाधान नहीं, जागरूकता बढ़ाएं** निर्दलीय ब्रिटिश सांसद इकबाल मोहम्मद ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने संसद में कहा कि चचेरे भाई-बहनों की शादियों पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। गुजराती मूल के सांसद ने कहा कि इस परेशानी को जागरूकता से ही दूर किया जा सकता है। इकबाल मोहम्मद मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उप-सहारा अफ्रीकी आबादी का 35 प्रतिशत से 50 प्रतिशत हिस्सा तो चचेरे भाई-बहन की शादी को पसंद करते हैं। यह मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में बेहद आम है। मोहम्मद ने कहा कि चचेरे भाई-बहनों में शादियां बहुत आम है, क्योंकि इससे पारिवारिक बंधन बनाने में, पारिवारिक संपत्ति सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

हिजाब नहीं पहना तो मौत की सजा; ईरान का नया कानून और खतरनाक, 2 साल पहले खिलाफत में उठी थी आवाजें

तेहरान, एजेंसी। अपने सख्त कानूनों को लेकर चर्चा में रहने वाले ईरान ने हिजाब को लेकर नए कानून बनाए हैं जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। इन कानूनों के तहत हिजाब नियमों का उल्लंघन करने पर महिलाओं को मौत की सजा तक दी जा सकती है। ईरान के नए कानून के अनुच्छेद 60 के तहत उल्लंघन करने पर महिलाओं को जुर्माना भरने, कोड़े खाने या कठोर जेल की सजा हो सकती है। वहीं एक से ज्यादा बार अपराध करने वालों को 15 साल तक की जेल या फांसी की सजा भी हो सकती है। ईरानी अधिकारियों ने देश में ड्रेस कोड का उल्लंघन करने वाली महिलाओं के लिए विवादास्पद हिजाब क्लीनिक खोलने का भी ऐलान किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी मीडिया या संगठनों में हिजाब विरोधी विचारों को बढ़ावा देने के आरोपी लोगों को 10 साल तक की जेल की सजा मिलेगी। साथ ही 12,500 पाउंड तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। इसके अलावा कानून का उल्लंघन करने वाली महिलाओं की गिरफ्तारी को रोकने या हस्तक्षेप करने की

कोशिश करने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जाएगा। ईरान की सरकार ऐसे लोगों को सीधे जेल में डाल सकती है। ईरान के मुताबिक नए कानूनों का उद्देश्य हिजाब की संस्कृति की पवित्रता को बनाए रखना है। ईरान ने कहा है कि ढंग से कपड़े ना पहनने, नग्नता को बढ़ावा देने या चेहरे को ढकने का विरोध करने पर कठोर से कठोर सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान ने महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर बाल ढकने का कानून लागू किया है। 2022 में इन कानूनों के विरोध में देश भर में प्रदर्शन हुए थे। ईरान में 16 सितंबर, 2022 को 22 वर्षीय कुर्द महिला महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। महसा को तेहरान में तैनात मोरल पुलिस ने देश के ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इन प्रदर्शनों में कई सुरक्षाकर्मियों सहित सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। तब ईरानी सरकार ने इन प्रदर्शनों को रोकने के लिए हजारों प्रदर्शकारियों को गिरफ्तार किया था।

ट्रंप ने की दो और प्रमुख नियुक्तियां, ड्रयू फर्गुसन को एफटीसी चीफ तो किंबर्ली को ग्रीस का राजदूत चुना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो और प्रमुख नियुक्तियां की है। ट्रंप ने एंड्रयू फर्गुसन को फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) के अगले प्रमुख के तौर पर नामित किया है। वहीं ग्रीस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर किंबर्ली गिलफॉयल को नियुक्त किया है। फर्गुसन लीना खान की जगह लेंगे, जो अरबों डॉलर के कॉरपोरेट अधिग्रहणों को अवरुद्ध करके तथा प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार का आरोप लगाते हुए अमेजन और मेटा पर मुकदमा दायर करके चर्चा का केंद्र बनीं। ग्रीस में अमेरिका के राजदूत की नियुक्ति ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच के जरिये किंबर्ली गिलफॉयल को ग्रीस के लिए अमेरिका का राजदूत नामित किया। गिलफॉयल लंबे समय से ट्रंप की समर्थक रही हैं और उनके बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से उनकी सगाई हुई थी। ट्रंप ने टॉम बराक को तुर्किये में राजदूत नियुक्त करने की घोषणा की और उन्हें एक सम्मानित और अनुभवी आवाज कहा। फर्ग्यूसन पहले से ही एफटीसी के पांच आयुक्तों में से एक हैं। **डेविड ओ सैक्स बने थे एआई और क्रिप्टो जार** बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में अहम नियुक्ति की। ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। डेविड के नाम का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि डेविड सरकार की एआई और क्रिप्टोकरेंसी पर नीतियों का नेतृत्व करेंगे। ये दोनों क्षेत्र भविष्य में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहद अहम हैं। डेविड ऑनलाइन फ्री स्पीच की रक्षा करेंगे और हमें बड़ी तकनीकी कंपनियों और उनकी सेंसरशिप से दूर रखेंगे।

मस्क के करीबी जेरेड को मिली थी जिम्मेदारी : अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पेसएक्स के मालिक व अरबपति कारोबारी एलन मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) प्रमुख चुना था। इसाकमैन पेमेंट कंपनी शिफ्ट4 पेमेंट्स के सीईओ हैं। वह निजी अंतरिक्ष यात्री मिशनों का संचालन करने के लिए स्पेसएक्स वाहनों का उपयोग करने वाले कार्यक्रम का हिस्सा भी हैं।

साउथ कोरियाई प्रेसिडेंट बोले- मार्शल लॉ कानूनी फैसला था

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून सुक योल ने गुरुवार को टीवी पर संबोधन दिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे पद से नहीं हटेंगे और महाभियोग लगाए जाने के खिलाफ अंत तक लड़ते रहेंगे। यून ने कहा कि संसद में सैनिकों को भेजना विद्रोह नहीं है। लोकतंत्र को खत्म होने से रोकने और संसद में विपक्ष की तानाशाही का मुकाबला करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ लगाने का फैसला लिया। यह पूरी तरह से कानूनी था।

यून ने कहा- चाहे मेरे खिलाफ जांच की जाए या महाभियोग लाया जाए, मैं निष्पक्ष रूप से इसका सामना करूंगा रहूंगा। मैं आखिर तक लड़ता रहूंगा। इससे पहले 7 दिसंबर को राष्ट्रपति यून ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी थी। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा था। तब उन्होंने कहा था कि ये फैसला कानूनी या राजनीतिक वजहों से नहीं बल्कि हताशा में लिया गया था।

राष्ट्रपति बोले- लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा विपक्ष यूं ने विपक्ष पर सरकार के कामकाज को रोकने का आरोप लगाया। दरअसल मार्शल लॉ मामले के बाद साउथ कोरिया में राष्ट्रपति ने 673.3 ट्रिलियन वॉन (करीब 40 लाख करोड़ रुपए) का बजट पारित करने की कोशिश की, लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने इसमें कटौती कर दी।

विपक्ष के इस कदम से नाराज राष्ट्रपति ने कहा कि देश की विपक्षी पार्टी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ही बहुमत में है। संसद में 300 सीटों में से मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया को 171 सीटें मिली हुई हैं। साउथ कोरिया में 4 दशक बाद मार्शल लॉ साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर की रात देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद उन्होंने 6 घंटों के भीतर ही अपना फैसला वापस ले लिया था। यून के इस कदम के बाद दक्षिण कोरिया में उनका काफी विरोध हो रहा है उन्हें पद से हटाए जाने की भी कोशिशें हो रही हैं। राष्ट्रपति की ही पार्टी के नेता अब उन्हें हटाने में जुट गए हैं। सत्ताधारी पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग-हुन ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र सुरक्षित रहे इसके लिए राष्ट्रपति का हटना जरूरी है।

राष्ट्रपति को हटाने के लिए फिर से प्रस्ताव लाएगा विपक्ष पिछली बार शनिवार को राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन जरूरी 200 सांसदों का इसे समर्थन नहीं मिल पाया था। इसे लेकर हान ने कहा कि पिछली बार कई सांसद राष्ट्रपति को हटाने और न हटाने को लेकर भ्रम में पड़ गए थे और उन्होंने वोटिंग नहीं की थी। अब ये भ्रम की स्थिति दूर होनी चाहिए। हान ने कहा कि इसे रोकने का एक ही तरीका ये है कि हर सांसद संसद भवन में आए और अपने विवेक के आधार पर वोट डाले। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ष्ठक्क्र राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए दूसरी बार महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है। यह प्रस्ताव शनिवार को लाया जा सकता है।

गाबा में तीसरे टेस्ट को लेकर आस्ट्रेलिया टेंशन में, भारत दे चुका है करारी शिकस्त

–रोहित ब्रिगेड के हौसला बुदंल, कंगारु भी उस हार को चाहेगा भुलाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-आस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट गाबा में होने वाला है जिसको लेकर आस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान भी कर दिया है। गाबा वह मैदान है जहां आस्ट्रेलिया को हराना मुश्किल होता है लेकिन 2021 में गाबा में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह बात रोहित ब्रिगेड का हौसला बुदंल कर रही है। ऑस्ट्रेलिया भी उस हार को भुलाना चाहेगा।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा कि यह वक्त उस हार के बारे में सोचने का नहीं है। इसकी बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान देना होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 2021 में गाबा टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर हार का मजा चखाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी।

अब दोनों टीमें 14 दिसंबर से फिर आमने-सामने आने वाली हैं। यह पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट है। दोनों टीमें अभी 1-1 मैच जीत कर बराबर हैं। ऐसे में तीसरा टेस्ट बहुत अहम माना जा रहा है। मिचेल मार्श ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में कहा कि पहले क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है। अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में अहम हैं।

पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। मार्श ने अपनी फिटनेस के बारे में कहा कि मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा

है।

मिचेल मार्श ने तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की फिटनेस की स्थिति का स्पष्ट ब्यौरा नहीं दिया जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने गुरुवार को अभ्यास सत्र में गेंदबाजी भी नहीं की। उन्होंने कहा कि अब तक जोस का सवाल है तो वह ऐसा खिलाड़ी है जो परेशान नहीं होता और मैच में खेलने के लिए जो कुछ संभव है वह करेगा।

टीम

भारत: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/रविचंद्रन अश्विन/वॉशिंगटन सुंदर , आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

ऑस्ट्रेलिया : उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर) पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर ने रोहित की फिटनेस पर सवाल उठाये

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेरिल कलिनन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। कलिनन ने कहा है कि रोहत का वजन जरुरत से कहीं ज्यादा है जो उन्हें कम करना होगा। रोहित हाल में धरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद से ही उनपर दबावा भी बढ़ गया है। रोहित पिछले काफी समय से रन भी नहीं बना पा रहे। वह एडिलेड की दोनों पारियों में असफल रे। रोहित इस मैच में छठे नंबर पर उतरे लेकिन फिर भी रन नहीं बना पाये।

कलिनन ने रोहित फिटनेस स्तर की आलोचना की और उन्हें बड़ी टेस्ट सीरीज के लिए अयोग्य बताया है। कलिन ने कहा कि, रोहित को देखिए, फिर विराट को। दोनो में ही साफ अंतर दिखेगा। रोहित का वजन ज्यादा है और वह लंबे समय तक नहीं खेल पायेंगे। रोहित चार या पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में नहीं हैं। रोहित ने साल 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से केवल एक टेस्ट में अर्धशतक लगाया है। वह पिछली 12 पारियों में से 8 में दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं।

ट्रेविड हेड महान बल्लेबाज बनने की राह पर, रिकी पोंटिंग ने इस दिग्गज से की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड आधुनिक समय के महान बल्लेबाजों में से एक बनने की राह पर हैं। एडिलेड ओवल में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर मेजबान टीम को पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की जिसके लिए हेड को 141 गेंदों पर 140 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हेड पिछले 18 महीनों में भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं, उन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शानदार 163 रन बनाए और उसी साल के अंत में वनडे विश्व कप के फाइनल में मैच जीतने वाली 137 रन की पारी खेली। पोंटिंग ने कहा, 'वह उन (महान) खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं। मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें अभी महान कह सकते हैं। वह जो कर रहे हैं, उस पर कोई सवाल नहीं है क्योंकि वह जो कर रहे हैं, वह शानदार है। और कई बार ऐसा तब होता है जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज़्यादा जरूरत होती है। विश्व कप सेमीफाइनल, विश्व कप फाइनल, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, ऑस्ट्रेलिया में कुछ साल पहले हुई एशेज के बारे में सोचिए। बड़े पल तब होते हैं जब ट्रैविस ने खड़े होने का तरीका ढूंढ़ लिया है।'

बुमराह की गेंदबाजी में कई दिग्गज तेज गेंदबाजों का मिश्रण: चैपल

सिडनी (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि जसप्रीत बुमराह में डेनिस लिली, एंडी रॉबर्ट्स और रिचर्ड हैडली जैसे तेज गेंदबाज के गुण मौजूद हैं लेकिन वह अपनी खुद की ऐसी विरासत तैयार कर रहे हैं जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह 'बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी' और ऑस्ट्रेलिया के बीच खड़े एकमात्र खिलाड़ी हैं।

चैपल ने लिखा, 'बुमराह का कौशल का संयोजन उन्हें अलग कतार में खड़ा करता है। उनके पास (मैल्कम) मार्शल की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता, लिली की आक्रामकता, रिचर्ड हैडली का नियंत्रण, रॉबर्ट्स की रणनीति, वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) की रिवर्स स्विंग, (ग्लेन) मैक्ग्रा की सटीकता, (डेल) स्टेन की विस्फोटकता , और (कैगिसो) रबाडा की आधुनिक बहुमुखी प्रतिभा का मिश्रण है।'

उन्होंने कहा, 'जैसा की नासिर हुसैन ने कहा, 'वह एक पूर्ण गेंदबाज है'। उसकी पीठ की सर्जरी हुई है और यह पता नहीं है कि उसका करियर कितना लंबा चलेगा लेकिन अगर उसने इसी तरह से गेंदबाजी जारी रखी तो उसका नाम भी इन चैम्पियन गेंदबाजों की तरह लिया जाएगा।'

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की

श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की अपनी साख को मजबूत करते हुए भारत को 295 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस मैच में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, 'गुजरे जमाने के दिग्गजों ने नींव स्थापित की तो वहीं बुमराह अपनी खुद की विरासत बना रहा है। एक ऐसी विरासत जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का माद्दा रखती है।'

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि बुमराह की घातक यॉर्कर और अस्थिर उछाल ने मैदान पर लिली की आक्रामकता की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'लिली किसी योद्धा की तरह थे। उनके पास आक्रमकता और मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने का शानदार संयोजन था। मैंने घरेलू क्रिकेट में कई बार उनका सामना किया और अपने युग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उन्हें करीब से परखा है।'

चैपल ने कहा, 'लिली के पास लंबे समय तक बल्लेबाज को परेशान करने वाली एक लाइन-लेंथ में गेंदबाजी करने की क्षमता थी। बुमराह इस मामले में थोड़े पीछे है लेकिन अलग तरह की गेंदबाजी एक्शन से वह कारगर यॉर्कर और और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशान कर लिली की बराबरी करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बुमराह रॉबर्ट्स के दिमागी चपलता को साझा करते हैं। दोनों गेंदबाज बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए विविधताओं का उपयोग करते हैं। रॉबर्ट्स की तरह बुमराह भी ताकत के बजाय रणनीति पर भरोसा करते हैं।'

उन्होंने कहा, 'बुमराह ने सिर्फ 30 टेस्ट में 21.03 की औसत से 151 विकेट लिए है। विभिन्न परिस्थितियों में उत्कृष्टता हासिल करने की उनकी क्षमता मार्शल के प्रभुत्व की याद दिलाती है। बुमराह के पास पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग के साथ गेंद को सिम और स्विंग करने की कमाल की क्षमता है। मार्शल के विरुद्ध बल्लेबाजों को इसी तरह की अनिश्चितता का सामना करना पड़ता था।' चैपल ने कहा, 'जैसा कि इयान बॉथम ने मार्शल के बारे में प्रसिद्ध टिप्पणी की थी कि वह आपको कोई राहत नहीं देते है। आज बल्लेबाज भी बुमराह के बारे में ऐसी ही भावनाएं व्यक्त करते हैं।'

पीसीबी से नाराज गिलेस्पी कोच पद छोड़ेंगे

लाहौर ।पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कोच जैसन गिलेस्पी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी से नाराज चल रहे हैं और माना जा रहा है कि वह शीघ्र ही अपना पद छोड़ देंगे। पीसीबी ने जिस प्रकार पिछले कुछ महीनों में उनकी भूमिका और अधिकारों को सीमित किया है उससे वह उपेक्षित अनुभव कर रहे हैं। अक्टूबर में उन्हें टेस्ट टीम के चयन पैनल से हटा दिया गया। उन्हें कहा गया कि अब वे केवल मैच के लिए रणनीतकार हैं। कोच गैरी कर्स्टन के जाने के बाद गिलेस्पी ने अंतरिम आधार पर टीम को कोचिंग दी थी। वहीं गिलेस्पी के कहने पर टिम नीलसन की इस साल अगस्त में हाई-परफॉर्मेंस रेड-बॉल कोच बनाया गया था। उनके अनुबंध को पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रिन्यू करना था पर ऐसा नहीं किया गया है। नीलसन के अनुसार टीम अच्छी तहर से आगे बढ़ रही थी और वह दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज क तैयारी कर रहे थे पर पीसीबी ने उन्हें बताया कि उनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। गिलेस्पी को लगता है कि नीलसन ने खिलाड़ियों के साथ बहुत अच्छा तालमेल बनाया है। ये बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से कई बार कही है। यही शायद उनके गुस्सा होने की वजह भी है।

मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान क्रिकेटर बने

स्पोर्ट्स डेस्क ।अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान खिलाड़ी बन गए हैं। अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर के आधार रहे 39 वर्षीय नबी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ

टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। नबी ने इस अवसर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। अपनी उपलब्धि पर विचार करते हुए नबी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने अपने देश के लिए 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। मुझे इस पर गर्व है।' ' इसी पारी के दौरान नबी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 चौके पूरे करके एक और उपलब्धि हासिल की जिससे अफगानिस्तान के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। नबी का अंतरराष्ट्रीय करियर अप्रैल 2009 में शुरू हुआ जब उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया। तब से उन्होंने 167 वनडे मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 27.48 की औसत से 3,600 रन बनाए हैं और 32.47 की औसत से 172 विकेट लिए हैं। उनका टी20 करियर फरवरी 2010 में आयरलैंड के खिलाफ शुरू हुआ था। 130 से ज्यादा मैचों में नबी ने 22.54 की औसत से 2,209 रन बनाए हैं और 7.33 की इकॉनमी से 97 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में नबी ने तीन मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं और आठ विकेट लिए हैं।

गाबा टेस्ट को लेकर शास्त्री की रोहित को सलाह.... ओपनिंग करे, ताकि टीम को शुरुवात से मजबूती मिले

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज में निर्णायक मोड़ आ चुका है। इस पर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कप्तान रोहित शर्मा को ओपनिंग की सलाह दी है। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से मिली हार के बाद सीरीज 1-1 से बराबर है, और गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में विजेता टीम के लिए सीरीज जीतने की संभावना प्रबल हो सकती है।

दरअसल शास्त्री ने कहा कि रोहित ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बतौर सलामी बल्लेबाज किया है। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपनी तकनीक और क्षमता का बार-बार प्रदर्शन किया है। शास्त्री ने कहा, अगर रोहित को ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना है, तब उन्हें पारी का आगाज करना चाहिए। रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाया है, और मध्यक्रम में उनके प्रदर्शन ने टीम को नुकसान पहुंचाया है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी शास्त्री की राय का समर्थन कर कहा कि ओपनिंग रोहित के लिए सबसे उपयुक्त पोजीशन है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की मौजूदा सलामी जोड़ी के प्रदर्शन ने प्रभावित किया है। इसके बावजूद शास्त्री का मानना है कि रोहित को ओपनिंग करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। टीम को मौजूदा जोड़ी के प्रदर्शन और रणनीतिक फैसलों के बीच संतुलन साधना होगा।

शास्त्री ने टेस्ट को सीरीज का निर्णायक मुकाबला बताया। उन्होंने कहा, जो भी टीम मैच को जीतेगी, वह सीरीज जीत सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में जीत के बाद आत्मविश्वास पा लिया है। इसके बाद अब भारत को सही संतुलन और रणनीति के साथ उतरना होगा। रोहित की ओपनिंग के फैसले से भारत को एक मजबूत शुरुआत मिलेगी, जिससे बाकी बल्लेबाज दबाव मुक्त होकर खेल सकें। वहीं, गेंदबाजी आक्रमण

और स्पिन विभाग में सही चयन भी टीम की सफलता के लिए अहम होगा।

संन्यास के बाद भी करोड़ों की कमाई कर रहे युवराज

चंडीगढ़ ।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को संन्यास लिए काफी समय हो गया है। इसके बाद भी युवराज विज्ञापनों से जमकर कमाई कर रहे है। वह विज्ञापनों से ही हर माह करीब एक करोड़ की कमाई कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार युवराज की नेट वर्थ करीब 291 करोड़ रुपये है। 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने साल 2019 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद भी आज वह कई बड़े ब्रांड से जुड़े है। युवराज ने कई स्टार्टअप्स शुरू किए हैं जिससे भी उन्हें अच्छी खासी कमाई हो रही है। संपत्ति करीब 50 करोड़ से ज्यादा है. युवराज सिंह के पास मुंबई में करोड़ों रुपये की कीमत वाले दो आलीशान अपार्टमेंट हैं। उन्होंने साल 2013 में वर्ली में लग्जरी आवासीय टॉवर में दो अपार्टमेंट खरीदने के लिए 64 करोड़ खर्च किए थे। उनके पास गोवा में भी एक घर है जबकि चंडीगढ़ में के हवेली है। युवराज सिंह के पास कई लक्जरी कारें हैं। उनके पास बेंटले कॉन्टिनेंटल जीटी, लॉम्बिरिगनी मरसिएलागोए बीएमडब्ल्यू एम5 ई60, बीएमडब्ल्यू एक्सएम 6रूऔर ऑडी क्यू 5 गाड़ियां है। युवराज के करियर की बात करें तो 40 टेस्ट में 1900 रन बनाए जबकि 304 वनडे में उन्होंने 8701 रन बनाए। वहीं 58 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उनके नाम 1177 रन हैं। उन्होंने टेस्ट में 3 शतक और 11 अर्धशतक जबकि एकदिवसीय में 14 शतक और 52 अर्धशतक लगाये हैं। टी 20 में उन्होंने 1177 रन बनाए हैं। इसके साथ हीन्होंने गेंदबाजी करते हुए टेस्ट में 9 एकदिवसीय में 111 और टी20 में 28 विकेट लिए हैं। 2007 टी20 विश्वकप में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में लगातार छह छक्के लगाये थे। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह दर्शकों के पसंदीदा बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं।

सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनना बहुत बड़ी बात : शुभमन गिल ने गुकेश की तारीफ की

ब्रिसबेन ।सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से डी गुकेश को बधाई दी जो सबसे युवा शतरंज विश्व चैम्पियन बने हैं। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को सिंगापुर में हुए मुकाबले में 7.5 .6.5 से हराकर खिताब जीता। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व मीडिया से कहा, 'मैं डी गुकेश को पूरी भारतीय टीम की ओर से बधाई देना चाहता हूं। सबसे युवा विश्व शतरंज चैम्पियन बनना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' गुकेश से पहले रूस के गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व चैम्पियन थे जिन्होंने 1985 में 22 वर्ष की उम्र में अनातोली कारपोव को हराकर खिताब जीता था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

ऋषभ पंत के लिए पागल थे पार्थ, गोयनका ने बताया 27 करोड़ की बोली लगाने की वजह

नई दिल्ली। आईपीएल नीलामी 2025 में सिर्फ 20 मिनट में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 2015 में कोई भी भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के 16 करोड़ से ज्यादा में नहीं बिका था, लेकिन जेद्दा-सऊदी अरब में मेगा नीलामी के कुछ ही मिनटों में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत पहली बार 25 करोड़ का आंकड़ा पार कर गए। अय्यर पहले इंसान थे जिन्हें 26 करोड़ की भारी कीमत पर पंजाब किंग्स ने खरीदा था। उन्होंने पिछले साल केकेआर द्वारा 24.75 करोड़ में खरीदे गए मिशेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। श्रेयस के नाम यह रिकॉर्ड केवल 11 मिनट रहा क्योंकि लखनऊ सुपर जाइंट्स ने ऋषभ पंत को बोर्ड पर लाने के लिए 27 करोड़ खर्च कर दिए। रिकॉर्ड-तोड़ आईपीएल नीलामी के तीन सप्ताह बाद अब एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने पंत पर बोली लगाने के पीछे की बात उजागर की है। गोयनका ने कहा कि वह जानते थे कि डीसी के सह-मालिक पार्थ जिंदल पंत के लिए पागल थे और उन्हें वापस लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, इसलिए उन्हें इतनी राशि लगानी पड़ी कि डीसी उनके राइट टू मैच विकल्प का उपयोग करने के बावजूद मैच नहीं कर सके। गोयनका ने बताया कि पंत के लिए 27 करोड़ की बोली लगाने के पीछे विज्ञान था। दिल्ली ने श्रेयस अय्यर के लिए 26.5 करोड़ की बोली लगाई। मुझे लगा था कि पार्थ जिंदल ऋषभ पंत के लिए इतने पागल हैं कि वह आईपीएल नीलामी में एक पायदान ऊपर जाएंगे। मैंने विचार किया जहां पर वह रुकेगा हम वहां से ऊपर जाएंगे। गोयनका ने कहा कि पंत को अपनी टीम के साथ जोड़ने का मुख्य मकसद एक भारतीय एंकर को अपने साथ जोड़ना था। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए जो भी परिस्थितियां रहीं, उन्होंने उसे रिटेन नहीं किया वह ऋषभ को रिटेन करने के इच्छुक नहीं थे। मेरे लिए उस पर चर्चा करना या उस पर टिप्पणी करना सही नहीं है।

वेस्टइंडीज ने बंगलादेश को चार विकेट से हराकर सीरीज में किया क्लीन स्वीप

बासटेयर (एजेंसी) । आमिर जंगू (नाबाद 104), केसी कार्टी (95) तथा गुडाकेश मोती (नाबाद 44 और एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे एक दिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को चार विकेट से हराया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया। 104 रनों की बेहतरीन पारी खेलने वाले आमिर जंगू 'प्लेयर ऑफ दि मैच' से और शरफेन रदरफोर्ड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। बांग्लादेश के 321 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

ब्रैंडन किंग (15), ऐलेक ऐथनेज (सात)और कप्तान शे होप (तीन) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद 15वें ओवर में वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (15) के रूप में अपना चौथा विकेट 86 के स्कोर पर गवां दिए। ऐसे संकट के समय केसी कार्टी के साथ आमिर जंगू ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिये 132 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने वेस्टइंडीज के जीत की नींव रखी। 34वें ओवर में रिशाद हुसैन ने केसी कार्टी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। केसी कार्टी ने 88 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हए (95) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रॉस्टन चेज (12) को भी रिशाद हुसैन ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये गुडाकेश मोती ने आमिर जंगू का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए मैच विजयी साझेदारी की। आमिर जंगू ने 83 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुये (नाबाद 104) रनों की पारी खेली। वहीं गुडाकेश मोटी ने 31 गेंदों में तीन चौक और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 44) रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों ने 45.5 ओवर में छह विकेट पर 325 रन बनाकर कर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। तसकीन अहमद, नासुम अहमद और हसन महमूद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिऐ। तंजिद हसन और लिटन कुमार दास बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इन दोनों बल्लेबाजों को अल्जारी जोसेफ ने आउट किया। इसके बाद सौम्य सरकार और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 136 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में गुडाकेश मोटी ने सौम्य सरकार (73) को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। 30वें ओवर में शरफेन रदरफोर्ड ने मेहदी हसन मिराज (77) को

रनआउट कर बंगलादेश को चौथा झटका दिया। अफिफ हुसैन धुब्रो (15) को शरफेन रदरफोर्ड ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये महमुदउल्लाह और जाकेर अली की जोड़ी ने पारी को संभालते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। महमुदउल्लाह ने 63 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 84) रनों की पारी खेली। वहीं जाकेर अली ने 57 गेंदों में पांच चौके और दो छक्को की मदद से (नाबाद 62) रन बनाये। बंगलादेश की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 321रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। शरफेन रदरफोर्ड और गुडाकेश मोटी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

'अनुपमा' में बाल श्रम की समस्या को दर्शकों तक पहुँचाया

धारावाहिक अनुपमा के हाल ही के एपिसोड में, निर्माता दीपा शाही और राजन शाही ने बाल श्रम जैसे संवेदनशील और ज्वलंत मुद्दे को प्रभावी रूप से उजागर किया। धारावाहिक की कहानी ने समाजिक जिम्मेदारी और नैतिकता पर सवाल उठाने की प्रेरणा भी दी। इस एपिसोड ने यह दिखाने का प्रयास किया कि कैसे बाल श्रम बच्चों की मासूमियत, शिक्षा और उनके बेफिक्र बचपन का अधिकार छीन लेता है। भावनात्मक दृश्यों के माध्यम से उन बच्चों की स्थिति को दर्शाया गया, जिन्हें गरीबी और सामाजिक अन्याय के कारण अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। अनुपमा के एक प्रभावशाली संवाद में, उन्होंने उन सामाजिक पाखंडों पर प्रकाश डाला जो विदेशों में कड़े नियमों का पालन करते हैं, लेकिन अपने देश में इन्हें नज़रअंदाज़ करते हैं। यह संवाद दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या सिर्फ शब्दों में सामाजिक चेतना का प्रदर्शन कर रहे हैं। कहानी ने यह भी गहराई से दिखाया कि कैसे अमीर और प्रभावशाली लोग अपनी सत्ता का उपयोग केवल अपने फायदे के लिए करते हैं, जबकि बाल श्रम जैसे मुद्दे पर उनकी नैतिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति जवाबदेही को नजरअंदाज किया जाता है। यह एपिसोड एक आईना था, जो हर दर्शक से आत्मनिरीक्षण करने की उम्मीद करता है। इस एपिसोड को खास बनाने वाला इसका दमदार लेखन और उत्कृष्ट अभिनय है। रूपाली गांगुली ने अनुपमा के रूप में अपनी भूमिका को गहराई और ईमानदारी के साथ निभाया, जिससे हर संवाद और हर भाव चेहरे पर जिया हुआ महसूस होता है। संवाद सरल और प्रभावशाली थे, जिनमें उपदेशात्मकता का कोई स्थान नहीं था। दीपा शाही और राजन शाही ने इस मुद्दे को कहानी में इतनी सहजता से बुना कि यह दर्शकों के दिल और दिमाग में गहरे उतर गया। अनुपमा ने साबित कर दिया कि मनोरंजन के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर जागरूकता और सामाजिक बदलाव की शुरुआत की जा सकती है। बता दें कि यह धारावाहिक एक बार फिर अपने गहरे और सामाजिक मुद्दों पर आधारित दृष्टिकोण के कारण चर्चा में है।

नई वेब सीरीज़ 'मटका किंग' की शूटिंग में व्यस्त है कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी नई वेब सीरीज़ 'मटका किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश में स्थित अपने फैशन ब्रांड का संचालन भी करती हैं। कृतिका अपने ब्रांड की मालिक होने के साथ-साथ उत्पादन प्रक्रिया पर भी व्यक्तिगत रूप से ध्यान देती हैं। वह नियमित रूप से स्थानीय कारीगरों और सप्लायर्स से मिलकर सुनिश्चित करती हैं कि उनके उत्पादों की गुणवत्ता बेहतरीन बनी रहे। यह दर्शाता है कि कृतिका केवल एक व्यवसायी ही नहीं, बल्कि एक सशक्त उद्यमिता का प्रतीक बन रही हैं, जो अपने ब्रांड के जरिए स्थानीय कारीगरों और कलाकारों को भी सशक्त बना रही हैं। अपने अभिनय करियर और व्यापार को संतुलित करते हुए कृतिका कहती हैं, अभिनय और व्यापार दोनों को एक साथ संभालना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह बहुत संतोषजनक भी है। दोनों क्षेत्रों में मेरी जिम्मेदारी गहरी है। एक ओर, मैं 'मटका किंग' के जरिए ऐसी कहानियां पेश कर रही हूं जो दर्शकों के दिलों में जगह बना सकें, और दूसरी ओर, मैं एक ऐसा ब्रांड बना रही हूं जो मध्य प्रदेश के कारीगरों की कला और हुनर को दुनिया के सामने लाता है। हालांकि यह थोड़ा व्यस्त हो जाता है, लेकिन जब आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो सारी मेहनत फलीभूत होती है।

हमें प्रकृति को कुछ वापस करना चाहिए: प्रीति जिंटा

बालीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रकृति के प्रति अपनी श्रद्धा जाहिर की और कहा, हमें प्रकृति को कुछ वापस करना चाहिए। अपने अभिनय से अलग पहचान बनाने वाली प्रीति ने लिखा, मैंने यह हिमालयन देवदार का पौधा लगभग 3 साल पहले लगाया था। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के बीच इसे बढ़ते हुए देखकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि यहां की सर्दी बढ़ गई और सफेद हो गई। ऐसे पल जीवन को सही मायने देते हैं और यह हमें प्रकृति को कुछ वापस देने का महत्व भी बताते हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर पौधे की पहले और बाद की तस्वीरें भी साझा कीं। पहली दो तस्वीरों में प्रीति पौधे की देखभाल करती नजर आ रही हैं, जबकि आखिरी तस्वीर में वही देवदार बर्फ से ढका हुआ और 30-40 मीटर तक बढ़ चुका है। प्रीति जिंटा का जन्म शिमला, हिमाचल प्रदेश में हुआ था, और वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहने के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय रहती हैं और अपने फैंस के साथ हमेशा नई तस्वीरें और पोस्ट शेयर करती रहती हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने अपने बेटे जय और अपनी मां के साथ की तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें जय अपनी नानी के साथ रोटी बनाते हुए नजर आए थे। जहां तक प्रीति के आगामी प्रोजेक्ट की बात है, तो वह जल्द ही राजकुमार संतोषी की फिल्म लाहौर 1947 के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म से प्रीति का फिल्मी सफर एक और महत्वपूर्ण मोड़ लेने जा रहा है। 1998 में शाहरुख खान की फिल्म दिल से... से डेब्यू करने वाली प्रीति जिंटा का करियर शानदार रहा है, और वह दर्शकों के बीच हमेशा एक दमदार अभिनेत्री के रूप में स्थापित रहीं हैं।

15 साल की उम्र से ही शेफाली को पड़ने लगे थे मिर्गी के दौरे

कांटा लगा गाने से स्टार बनीं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला ने खुलासा किया कि मिर्गी (एपिलेप्सी) की वजह से उन्हें करियर में कई बड़े प्रोजेक्ट्स छोड़ने पड़े। उन्होंने बताया कि सिर्फ 15 साल की उम्र से ही उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ने लगे थे, जो किसी भी वक्त और कहीं भी आ सकते थे।

शेफाली ने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन पर अच्छे नंबर लाने का भारी दबाव था, जिसकी वजह से वह तनाव और एंग्जायटी का शिकार हो गईं। यह तनाव मिर्गी के रूप में उनकी जिंदगी में बड़ा रोड़ा बन गया। उन्होंने बताया कि कांटा लगा की सफलता के बाद उन्हें कई बड़े काम मिले, लेकिन मिर्गी के कारण वह उन्हें पूरा नहीं कर पाईं। लोगों ने उनसे सवाल किया कि वह अन्य प्रोजेक्ट्स में क्यों नजर नहीं आईं, लेकिन इस बीमारी ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मिर्गी एक न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें मस्तिष्क की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं से अनियंत्रित विद्युत संकेत बनने लगते हैं। इससे व्यक्ति को बार-बार दौरे पड़ते हैं। यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है और यह विश्व की चौथी सबसे आम न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। शेफाली ने अपनी बीमारी से लड़ाई के दौरान समाज में मिर्गी को लेकर मौजूद शंकाओं और रूढ़ियों का भी सामना किया। हालांकि, उन्होंने बताया कि सही इलाज और नियमित चिकित्सा से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा, मिर्गी के इलाज के लिए प्राचीन योग मुद्राएं और मंत्र भी सहायक हो सकते हैं।

धार्मिक आस्थाओं के अनुसार, मिर्गी मुद्रा के दौरान भगवान गणेश, शिवजी, हनुमानजी या देवी मां के मंत्रों का जाप करने से मानसिक शांति मिलती है और रोग से राहत मिलने में मदद हो सकती है। शेफाली जरीवाला ने अपनी बीमारी को लेकर जागरूकता फैलाने की अपील की और कहा कि सही समय पर डॉक्टर से परामर्श लेना बेहद जरूरी है। आज के समय में मिर्गी का इलाज संभव है, बशर्ते इसे गंभीरता से लिया जाए। बता दें कि 2002 में कांटा लगा गाने से रातों-रात स्टार बनीं शेफाली जरीवाला का करियर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते बड़े पर्दे पर आगे नहीं बढ़ पाया।

बेवकूफ और सीमित दिमाग वाले लोगों की कमी नहीं : अमिताभ बच्चन

बालीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच तलाक की अफवाहों के बीच बच्चन परिवार के प्रमुख सदस्य अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक गुप्त संदेश साझा किया है। इस संदेश को इन अटकलों पर उनकी प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

अमिताभ ने लिखा, बेवकूफ और सीमित दिमाग वाले लोग इस दुनिया में कभी कम नहीं होते। वे अपनी निजी और बिना दिमाग वाली सोच को छिपाने के लिए हर दिन नए नकली प्रोडक्ट बनाते और फैलाते हैं। उन्होंने इसे मेरा प्यार के साथ समाप्त किया। अमिताभ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी ऐसा ही एक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, टी 5216 - कुछ भी बनाने वाले हर शब्द का अपना ही अर्थ निकालते हैं, वे अपने निजी जीवन के अनर्थ को छिपाते हैं। इस गुप्त ट्वीट के बाद उन्होंने लिखा, चुप! इस संदेश ने फैंस और मीडिया को हैरान कर दिया। ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच तलाक की अफवाहें सबसे पहले तब चर्चा में आईं जब जुलाई 2024 में एक पारिवारिक समारोह में उनके अलग-अलग पहुंचने की खबरें आईं। इसके बाद से मीडिया में उनके रिश्ते को लेकर कई तरह की बातें की जाने लगीं। हालांकि, पिछले दिनों एक पार्टी में दोनों को साथ देखकर उनके चाहने वालों को लगा कि शायद ये महज अफवाहें हैं। अमिताभ बच्चन के गुप्त संदेश ने इन अटकलों को लेकर और उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि, बच्चन परिवार ने अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि यह विवाद सिर्फ अफवाह भर हो और बच्चन परिवार की यह जोड़ी हमेशा की तरह मजबूत बनी रहे। जब तक परिवार की तरफ से कोई स्पष्ट बयान नहीं आता, ये मामला अफवाहों और अटकलों तक ही सीमित रहेगा।

बता दें कि बॉलीवुड के प्रतिष्ठित परिवार बच्चन परिवार के चर्चित सदस्यों ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच तलाक की खबरें एक बार फिर सुर्खियों में हैं। ये अटकलें तब तेज हुईं जब कुछ महीनों पहले अनंत अंबानी की शादी में ऐश्वर्या और उनकी बेटी आराध्या अलग पहुंचीं, जबकि अभिषेक और बाकी बच्चन परिवार ने समारोह में एक साथ एंट्री की। इस घटना के बाद से ही उनके रिश्ते में खटास की अफवाहें मीडिया में फैलने लगीं। हाल ही में हालांकि, इस कपल को एक पार्टी में साथ देखा गया, जिससे फैंस को राहत मिली।

मुझे कई तरह के डांस सीखना पसंद: मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय का ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से सुर्खियां बटोरना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में एक बातचीत में, उन्होंने विभिन्न डांस कला को सीखने के अपने जुनून का खुलासा किया और एक डांस-आधारित फिल्म करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने साझा किया, मुझे विभिन्न प्रकार के डांस सीखना पसंद है, और कहा, मैं एक दिन ऐसी फिल्म पर काम करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं! पर्दे पर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डांस उनकी लव लैंग्वेज है और यह उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है। वर्तमान में, मौनी कई रोमांचक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होगा। वह सक्रिय रूप से कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। डांस के प्रति अपने बढ़ते उत्साह और आशाजनक परियोजनाओं के साथ, मौनी रॉय अपने ऑन-स्क्रीन करिश्मा से अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि मौनी अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए डांस के प्रति अपना दीवानगी जाहिर करती रहती हैं। वह अक्सर विभिन्न डांस शैलियों में अपने प्रदर्शन के वीडियो और इम्प्रोम्टू डांस सेशन साझा करती हैं।

रामायण को लेकर सुर्खियों में रणबीर कपूर को...

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में हैं। एक इंटरव्यू में रणबीर ने खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म के पहले भाग की शूटिंग पूरी कर ली है और जल्द ही दूसरे भाग की शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं इस समय एक ऐसी फिल्म पर काम कर रहा हूं, जो भारत की सबसे महान कहानी है। रामायण दो भागों में बनाई जा रही है और इसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में भगवान राम का किरदार निभाना मेरे लिए गर्व और रोमांच का पल है। यह न केवल भारतीय संस्कृति और मूल्यों को दर्शाती है, बल्कि यह पारिवारिक रिश्तों और आदर्शों की गहराई को भी उजागर करती है। उन्होंने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए एक सपने जैसा है। इसमें बेहतरीन आर्टिस्ट्स और क्रिएटिव टीम शामिल है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने इस प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास बनाने के लिए दुनिया भर के क्रिएटर्स को जोड़ा है।जानकारी के मुताबिक, रामायण की कास्ट में कई बड़े नाम शामिल हैं। साई पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि केजीएफ स्टार यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। लारा दत्ता कैकेयी और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे। इसके अलावा, शीबा चड्ढा को मंथरा के किरदार के लिए चुना गया है। फिल्म का पहला पार्ट 2026 में और दूसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा। पिछले महीने फिल्म की आधिकारिक घोषणा के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह है। रणबीर कपूर के अनुसार, यह फिल्म भारतीय संस्कृति और मूल्यों का एक अभूतपूर्व चित्रण है। उन्होंने भगवान राम के किरदार को निभाने को अपने करियर का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' कर रही शानदार प्रदर्शन

देश भर में फिल्म 'पुष्पा 2 : द रूल' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। सुपर स्टार अल्लू अर्जुन के फैंस का उत्साह चरम पर है, और अब हर किसी को फिल्म के ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले फिल्म के ओटीटी रिलीज को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि इसे नेटफ्लिक्स या हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। चूंकि पहले भाग, 'पुष्पा- द राइज', ने अमेजन प्राइम वीडियो पर धमाकेदार सफलता हासिल की थी, इसलिए फैंस को उम्मीद थी कि इसका दूसरा पार्ट भी वहीं स्ट्रीम होगा। लेकिन मेकर्स ने इस बार इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज करने का निर्णय लिया है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में एक पोस्टर जारी कर यह पुष्टि की कि फिल्म जल्द ही तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में उपलब्ध होगी। फिल्म के ओटीटी प्रीमियर की तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में रिलीज के छह से आठ हफ्ते बाद इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। ओटीटी राइट्स को लेकर भी फिल्म चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'पुष्पा 2' के ओटीटी राइट्स 275 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं, जो अब तक का एक बड़ा रिकॉर्ड है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है। ओपनिंग डे पर 164.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई के बाद, दूसरे दिन भी फिल्म ने 141.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। महज चार दिनों में फिल्म ने 529 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो इसकी अपार लोकप्रियता को दर्शाता है। अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस और सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने न केवल तेलुगु सिनेमा, बल्कि पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दर्शकों को प्रभावित किया है।

रितेश पांडे का गाना पार्टी चलेगी फुल नाईट रिलीज

भोजपुरी सिनेमा सुपरस्टार रितेश पांडे का गाना 'पार्टी चलेगी फुल नाईट' रिलीज हो गया है। भोजपुरी फिल्म 'सनम मेरे हमराज' का गाना 'पार्टी चलेगी फुल नाईट' रिलीज किया गया है, जिसे वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है। सत्या सावरकर ने इस गीत को लिखा है।संगीतकार मधुकर आनंद हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर ज्योति देशपांडे और अभय सिन्हा हैं। निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी हैं। इस फिल्म का म्यूजिक राईट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी के पास है।